संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 329
पृष्ठ 8
गुरूवार
20 अगस्त 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एनीमिया रोगियों के लिए बेहद...
विचार- पद्‌मनाथ सिंहः एक स्वतंत्रता सेनानी...
खेल- श्रीलंका पर जीत से भारत की स्थिति...

जापानी सीईओ के साथ राउंड टेबल बैठक में बोले सीएम योगी

यूपी में निवेश करें, हर स्तर पर मिलेगा पूरा सहयोग

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी–जापान इन्वेस्टमेंट मीट के दौरान प्रमुख कंपनियों के सीईओ व बिजनेस लीडर्स के साथ आयोजित राउंड टेबल मीटिंग में निवेशकों का प्रदेश में निवेश के प्रति उत्साह दिखाने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 360 डिग्री का व्यापक परिवर्तन हुआ है। इसी बदलाव के कारण आज उत्तर प्रदेश भारत के प्रमुख और ड्रीम इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों और कंपनियों को सरकार की ओर से हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम योगी ने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे उत्तर प्रदेश आएं और यहां अपनी औद्योगिक एवं कारोबारी गतिविधियों का विस्तार करें। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि निवेशकों को किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इन्वेस्टमेंट मीट को लेकर जिस तरह की उत्सुकता प्रमुख उद्योगपतियों और सीईओज ने दिखाई है, उसके लिए वह सभी का हृदय से धन्यवाद करते हैं। निवेशकों की ओर से दिए गए सुझावों को प्रदेश सरकार की टीम ने गंभीरता से संज्ञान में लिया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि निवेशकों के सुझावों और अपेक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जो भी व्यावहारिक समस्याएं सामने आएंगी, उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सरकार और उसकी पूरी टीम निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी संख्या में युवा मैनपावर है। सरकार युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप स्किलिंग और अपस्किलिंग के अवसर उपलब्ध करा रही है। इससे निवेशकों को प्रशिक्षित और सक्षम मानव संसाधन उपलब्ध होगा। प्रदेश में बदलते औद्योगिक परिदृश्य के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, स्किल्ड मैनपावर और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसका सीधा लाभ प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाला निवेश निवेशकों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा। प्रदेश सरकार अपनी नीतियों के दायरे में निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। सरकार का प्रयास है कि निवेश की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो तथा उद्यमियों को अपने कारोबार के विस्तार पर ध्यान देने के लिए बेहतर वातावरण मिले।

मोदी कैबिनेट के पांच बड़े फैसले

बिहार को मिला सबसे बड़ा तोहफा

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज (बुधवार, 19 अगस्त को) रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में खड़गपुर – भद्रक (रानीताल) तक 173 झड लंबी चौथी लाइन बिछाने, भद्रक – हरिदासपुरके बीच 75 किमी (ओडिशा) चौथी लाइन बिछाने, गुम्मिडिपुंडी – गुडुर 90 किमी लंबी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु) तीसरी और चौथी लाइन बिछाने और कटक – पारादीप (बडाबन्धा) के बीच 72 किमी लंबी (ओडिशा) तीसरी और चौथी लाइन बिछाने को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा केंद्रीय कैबिनेट में बिहार को भी बड़ा तोहफा दिया है।

केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में एनएच–22 के मुजफ्फरपुर–सीतामढ़ी–सोनबरसा खंड को चार लेन में बदलने को मंजूरी दी है। इस पर 3591 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो बाकी चार रेल परियोजनाओं की लागत से ज्यादा है। यानी बिहार की इस सड़क परियोजना को सबसे ज्यादा पैसे आवंटित किए गए हैं। सभी पांचों परियोजनाओं पर कुल 13,041 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युइटी मोड (HAM) पर कुल 3590.73 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा और इसकी कुल लंबाई 82.578 किलोमीटर होगी। यह प्रस्तावित प्रोजेक्ट रणनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिहार के बढ़ते नेशनल हाईवे नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। यह सोनबरसा में भारत–नेपाल सीमा को छभ–27 (पूर्व–पश्चिम कॉरिडोर) पर मुजफ्फरपुर जैसे आर्थिक केंद्रों से जोड़ने वाले एक मुख्य फीडर कॉरिडोर के तौर पर काम करता है।

दीपके का सवाल, बोले–

पीएम केयर्स फंड में करोड़ों, फिर भी स्कूल बदहाल ?

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने पीएम केयर्स फंड के इस्तेमाल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है। उन्होंने कहा कि इस फंड का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों के स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। दीपके की पार्टी ने ग्रामीण स्कूलों की खराब स्थिति को सामने लाने के लिए श्स्कूल ठीक करोश अभियान शुरू किया है। उनका दावा है कि देश के ग्रामीण इलाकों में बच्चों को स्कूल तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क, स्कूलों में बैठने के लिए बेंच और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की जरूरत है। पीएम केयर्स फंड की ताजा ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक फंड में कुल 8,452 करोड़ रुपये का बैलेंस था। एक साल पहले यह राशि 7,173 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024–25 के दौरान फंड से कुल 87.85 लाख रुपये का भुगतान किया गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 15.6 करोड़ रुपये थी। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, पीएम केयर्स फंड में मौजूद 8,452 करोड़ रुपये में से करीब 7,846 करोड़ रुपये फिक्स्ड डिपॉजिट में और 605 करोड़ रुपये सेविंग बैंक खातों में रखे गए थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत 2024–25 में 87.8 लाख रुपये खर्च किए गए। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान अपने माता–पिता या कानूनी अभिभावक को खोने वाले बच्चों की सहायता के लिए शुरू की गई थी। पिछले वित्त वर्ष में इस योजना के तहत 15.37 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर एक आधुनिक और सभी सुविधाओं से लैस स्कूल बनाने में करीब 8 करोड़ रुपये खर्च होते हैं, तो 8,500 करोड़ रुपये की राशि से 1,000 से ज्यादा हाईटेक मॉडल स्कूल बनाए जा सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी बताई जाती है, तो इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की शिक्षा और स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए क्यों नहीं किया जा रहा है।दीपके ने महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में हाल में किए गए अपने स्कूल दौरों का जिक्र करते हुए वहां की स्थिति को ष्बहुत खराबष् बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से जब स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं नहीं होने की वजह पूछी गई तो उन्हें फंड की कमी का हवाला दिया गया। उन्होंने कहा कि एक तरफ स्कूलों में पैसे की कमी बताई जा रही है।

रिजिजू ने बताई हकीकत, बोले–

झूठी तस्वीरों से सेना का मनोबल न गिराएं

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से चीन की कथित घुसपैठ को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। समाचार एजेंसी से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में सीमा से जुड़ी चिंताओं को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि भारत–चीन सीमा का कई हिस्सों में अब तक औपचारिक सीमांकन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सीमा पर स्थानीय लोगों की चिंता वास्तविक है, लेकिन बिना जमीनी स्थिति समझे अपुष्ट वीडियो और दावों के जरिए भ्रम फैलाना उचित नहीं है। रिजिजू के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश में भारत और चीन के बीच सीमा काफी लंबी है, लेकिन कई जगहों पर न तो सीमा स्तंभ हैं और न ही जमीन पर स्पष्ट सीमा रेखा निर्धारित है। उन्होंने कहा कि यह समस्या नई नहीं है और लंबे समय से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि सीमांकन नहीं होने के कारण कुछ इलाकों को लेकर दोनों देशों के दावों में अंतर है। इसी वजह से सीमा से लगे गांवों के लोगों में भी चिंता बनी रहती है। रिजिजू ने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित करने को लेकर अलग नीति अपनाई गई थी। उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटनी के संसद में दिए गए कथित बयान का हवाला देते हुए कहा कि उस समय भारतीय सीमा की तरफ इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बनाने की नीति थी। रिजिजू ने कहा कि दूसरी ओर चीन ने सीमा के पास सड़क और अन्य ढांचागत सुविधाओं का निर्माण लगातार जारी रखा।

रिजिजू ने दावा किया कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सीमा क्षेत्रों में सड़क और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि अब भारतीय सीमा की तरफ भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों तक सड़कें बनाई जा रही हैं। उन्होंने अपने माजा गांव के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि यह आखिरी सीमा बिंदुओं में से एक है और वहां सड़क निर्माण का काम पूरा किया गया है। रिजिजू के मुताबिक, आजादी के बाद लंबे समय तक वहां सड़क नहीं थी। रिजिजू ने ताकसिंग की सड़क कनेक्टिविटी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2019 में वहां सड़क पहुंचाई गई। उनके मुताबिक, पहले भारत की तरफ सड़क नहीं थी, जबकि चीन ने अपने क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया था। उन्होंने कहा कि ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में चीन ने अपनी मौजूदगी और सीमा से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया, जिसके जवाब में भारत ने भी सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी कनेक्टिविटी मजबूत करनी शुरू की। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि यह कहना सही नहीं है कि चीन ने भारतीय गांवों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ विवादित हिस्सों में सीमा का स्पष्ट सीमांकन नहीं होने के कारण दोनों पक्ष अपने–अपने क्षेत्र का दावा करते हैं। उनके अनुसार, भारत की ओर के लोगों का मानना है कि भारतीय क्षेत्र आगे तक फैला है, जबकि दूसरी तरफ के स्थानीय लोग भी उस जमीन पर अपना दावा करते हैं। इसी कारण कुछ क्षेत्रों में स्थिति जटिल बनी हुई है।

रिजिजू ने लोंगजू से आगे घाटी में स्थित एक इलाके का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां चीनी पीएलए ने गांव जैसे दिखने वाले कुछ ढांचे और इमारतें बनाई हैं। उनके मुताबिक, उस क्षेत्र पर 1959 में चीन ने कब्जा किया था और 1962 में वहां अपनी स्थिति को और मजबूत किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा सीमा बिंदु पर भारतीय पोस्ट मौजूद है। रिजिजू ने माना कि ऊंची पहाड़ी चोटियों वाले क्षेत्रों में चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात भारतीय सेना और आईटीबीपी की पेट्रोलिंग को पहले की तुलना में मजबूत किया गया है। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से लेने की बात कही, लेकिन साथ ही गलत या फर्जी सामग्री के जरिए देश में भ्रम पैदा करने से बचने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर सीमा मुद्दे को लेकर भ्रामक सामग्री के जरिए राजनीतिक नैरेटिव बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का कथित फर्जी वीडियो भारत–चीन सीमा से जोड़कर प्रसारित करना गलत है। रिजिजू के मुताबिक, इस तरह की गलत जानकारी से आम लोगों में भ्रम पैदा होता है।

नीट सिस्टम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा

यूपीएससी जैसा मजबूत बनाएं परीक्षा तंत्र

नयी दिल्ली,एजेंसी। नीट परीक्षा की सुरक्षा और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि नीट की मौजूदा परीक्षा प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें सेंध लगाना बेहद मुश्किल है। सरकार के मुताबिक प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में कई स्तर की गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था लागू है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को परीक्षा प्रणाली में लगातार सुधार करते रहने की सलाह दी। अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए यूपीएससी की तरह मजबूत और भरोसेमंद सिस्टम तैयार किया जाना चाहिए। इसके लिए नई तकनीक की समझ रखने वाले अधिकारियों को व्यवस्था में शामिल करने और अनुभवी अधिकारियों के बार–बार तबादले से बचने की जरूरत बताई गई। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, एफपीएससी और अन्य संगठनों की याचिकाओं पर सुनवाई की। इन याचिकाओं में एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए एजेंसी में सुधार और पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कागज पर कोई भी प्रक्रिया बेहद मजबूत दिखाई दे सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक उसी व्यवस्था में पुरानी कमजोरियां वापस न आएं। अदालत का जोर लगातार निगरानी, तकनीकी सुधार और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करने पर रहा। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने नीट प्रश्नपत्र की सुरक्षा व्यवस्था के कई स्तरों की जानकारी अदालत को दी। सरकार के अनुसार प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर छात्रों तक पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया में अलग–अलग स्तरों पर सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं। सरकार के मुताबिक अलग–अलग विषयों के विशेषज्ञ प्रश्न बैंक तैयार करते हैं। इसके बाद प्रश्नों के अलग–अलग सेट तैयार किए जाते हैं। अंतिम प्रश्नपत्र का चयन सीमित स्तर पर किया जाता है, ताकि परीक्षा से पहले किसी एक व्यक्ति को पूरे पेपर की जानकारी न हो। प्रश्न बैंक को कई भाषाओं में तैयार किया जाता है और अनुवाद का काम विशेषज्ञों की निगरानी में कराया जाता है।

इससे विभिन्न भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए प्रश्नपत्र तैयार किए जाते हैं। केंद्र ने बताया कि प्रश्नपत्र तय प्रिंटिंग प्रेस में सुरक्षा व्यवस्था के बीच छपते हैं। प्रिंटिंग प्रक्रिया में सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा बलों की व्यवस्था रहती है। इसके बाद प्रश्नपत्रों को सीलबंद कंटेनरों में रखा जाता है। प्रश्नपत्रों को सुरक्षित तरीके से खोलने के लिए डिजिटल चाबी और अलग कोड की व्यवस्था होने की बात भी केंद्र ने कही।

जनगणना 2027 के सवालों पर क्यों भड़की कांग्रेस, जाति से लेकर धर्म और जन्मस्थान तक पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली,एजेंसी। जनगणना 2027 को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने जाति, धर्म, जन्मतिथि और माता–पिता से जुड़ी जानकारी जुटाने के तरीके पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर संदेह जताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि जनगणना में जाति से संबंधित सवालों की संरचना सही तरीके से तैयार नहीं की गई है। कांग्रेस का सबसे बड़ा सवाल जाति संबंधी जानकारी दर्ज करने के तरीके को लेकर है। पार्टी ने 2021 में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे का हवाला देते हुए पूछा है कि जब उस समय जातियों की पहचान के लिए ड्रॉप–डाउन मेनू को उपयोगी बताया गया था, तो जनगणना 2027 में इसे शामिल क्यों नहीं किया गया। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए जनगणना के संभावित सवालों पर आपत्ति जताई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जनगणना 2027 के दौरान माता–पिता दोनों के धर्म, जन्मतिथि और जन्मस्थान से संबंधित जानकारी जुटाई जा सकती है। कांग्रेस ने विशेष रूप से इस बात पर सवाल उठाया है कि इतनी विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी किस उद्देश्य से दर्ज की जाएगी और इसे किस स्तर तक संकलित किया जाएगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि जानकारी गांव के स्तर तक दर्ज किए जाने की व्यवस्था होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, जनगणना के फॉर्म में जाति बताने के लिए खुला विकल्प रखा गया है। इसके अलावा व्यक्ति के पास "जाति नहीं बताना चाहते" और "कोई जाति नहीं" जैसे विकल्प भी उपलब्ध होने की बात कही गई है। जयराम रमेश ने इसी व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जाति संबंधी सवाल पूछने का तरीका गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना की प्रक्रिया गोपनीय होती है, इसलिए सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इतनी विस्तृत जानकारी जुटाने के पीछे उद्देश्य क्या है। कांग्रेस ने अपने आरोपों को मजबूत करने के लिए 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल केंद्र के हलफनामे का हवाला दिया है। जयराम रमेश के मुताबिक, हलफनामे में जातियों का रजिस्टर तैयार करने के लिए ड्रॉप–डाउन मेनू की उपयोगिता का उल्लेख किया गया था।

तशना आज भी दिलों में ज़िंदा हैं: एमए हसीन

'अदब घर में बज़्म अहबाब की ओर से शायर शाकिर हुसैन तशना कानपुरी की याद में शेरी नशिस्त शायरों ने बढ़–चढ़कर ले लिया हिस्सा'

प्रयागराज। करेली स्थित अदब घर में बज़्म अहबाब के तत्वाधान में मशहूर शायर और वरिष्ट पत्रकार स्व शाकिर हुसैन तशना कानपुरी की याद में शेरी नशिस्त का आयोजन किया गया। अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट एमए हसीन, मुख्य अतिथि, यूसुफ हबीब और विशिष्ट अतिथियों में इविवि की अरबी व फारसी की पूर्व अध्यक्ष सालेहा रशीद, असरार नियाज़ी, अहसान उल्लाह अंसारी फरमूद इलाहाबादी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष एडवोकेट एमए हसीन ने कहा कि स्व. मशहूर शायर शाकिर हुसैन तशना कानपुरी

बेहतरीन शायर के एक सीनियर सहाफी भी थें, भले ही आज वो हमारे बीच नहीं लेकिन लोगों के दिलों में ज़िंदा हैं। मुख्य अतिथि यूसुफ हबीब ने कहा शाकिर हुसैन तशना कलमकार के रूप में जाने जाते थे।

डॉक्टर सालेहा रशीद ने कहा शाकिर हुसैन तशना कलम से हकीकत बयां करते थे। तालीम घर के बानी अहसान उल्लाह अंसारी ने कहा कि में उनके बड़े बेटे अमजद हुसैन रावी और उनके भांजे सुहैल अख़्तर को ने वालिद की याद में ये प्रोग्राम ऑर्गेनाइज कराया। शायरों में एमए हसीन, तलत महमूद, डॉक्टर राम लखन ,सुनील दानिश, शाहिद खान, वाकिफ अंसारी, बख्तियार यूसुफ, अतिया नूर, शिबली सना, खुर्शीद अख्तर, प्रभात आधार, जीशान, सुहैल अख़्तर, अमजद हुसैन रावी आदि ने बेहतरीन ग़ज़ल पेश कर वाहवाही बटोरी।

उपस्थित लोगों में असरार गांधी, आसिफ उस्मानी, महमूद खान, वजीर खान, असद कुरैशी, अशद हुसैन ताबी आदि मौजूद रहें। संचालन इलाहाबाद हाईकोर्ट सीनियर एडवोकेट बख्तियार यूसुफ ने किया। बज़्म अहबाब के अध्यक्ष और कनवीनर अमजद हुसैन रावी, सुहैल अख़्तर और साकिब सिद्दीकी ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

जलभराव से हाईकोर्ट खफा, प्रयागराज के डीएम और नगर आयुक्त तलब

प्रयागराज। प्रयागराज में बारिश के बाद भीषण जलभराव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने जल निकासी के इंतजामों पर सवाल उठाते हुए प्रयागराज के डीएम और नगर आयुक्त को तलब किया है। अदालत ने कहा कि जलभराव के कारण न्यायाधीशों को कोर्ट पहुंचने में देरी हुई, जो सीधे तौर पर न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है। शहर में भीषण जलभराव से खफा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज के डीएम और नगर आयुक्त को तलब किया है। साथ ही नगर विकास सचिव से हलफनामा मांगा है। पूछा है कि बारिश से पहले डीएम और नगर आयुक्त ने जलभराव रोकने के इंतजाम क्यों नहीं किए।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने जलभराव को लेकर स्वतः संज्ञान याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लगातार बारिश के कारण शहर में जलभराव की भयावह स्थिति पैदा हुई। इसका असर सामान्य जनजीवन, कारोबार पर पड़ने के साथ न्यायाधीशों के न्यायालय पहुंचने पर भी पड़ा। इससे कोर्ट की कार्यवाही शुरू होने में देरी हुई। यह प्रत्यक्ष रूप से न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है। कोर्ट ने नगर विकास सचिव से भी हलफनामा तलब किया है। उनसे पूछा है कि प्रयागराज शहर को लगातार बारिश के कारण होने वाले जलभराव से बचाने के लिए सरकार ने कौन–कौन सी योजनाएं स्वीकृत की हैं और उनके क्रियान्वयन की क्या स्थिति है।

मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि डीएम और नगर आयुक्त की पेशी के दौरान महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्रा और अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी को अदालत की सहायता के लिए मौजूद रहना होगा। कोर्ट ने रजिस्ट्रार (कम्प्लायंस) को इस आदेश की प्रति संबंधित सभी अधिकारियों को तत्काल तामील कराने का आदेश दिया है।

होलागढ़ में दो कच्चे मकान ढहे, महिला घायल

प्रयागराज। क्षेत्र में मंगलवार को बारिश के दौरान दो स्थानों पर कच्चे मकान गिर गए। तरती मजरा बेलखारिया गांव में कुसुम पांडेय का मकान ढहने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने उन्हें मलबे से निकाला और सांगीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। दूसरी घटना बरई हरख मजरा पंडित का पुरा में हुई, जहां प्रीति तिवारी का कच्चा मकान भी गिर गया। हालांकि घर के लोग बाल–बाल बच गए लेकिन हजारों रुपये की गृहस्थी का नुकसान हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर मकानों की जांच और पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

निजी अस्पताल में युवक का शव मिला

प्रयागराज। हथिगहां स्थित एक निजी अस्पताल के कमरे में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान बहरिया के सराय सुल्तान निवासी नीरज पटेल (20) पुत्र अर्जुन के रूप में हुई। नीरज बी फार्मा करने के बाद बीते चार साल से इसी अस्पताल में काम कर रहा था। सोमवार शाम करीब सात बजे वह अपने बड़े भाई बाल गोविंद उर्फ विशाल के साथ फाफामऊ में खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद नीरज रोज की तरह अस्पताल के कमरे में आकर सो गया। मंगलवार सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं आया, तो अस्पताल के लोग चिंतित हो गए। बाल गोविंद ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब दस बजे वह खाना देने अस्पताल पहुंचा, तो कमरे का दरवाजा बंद था। सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां नीरज बेड पर मृत अवस्था में मिला।

तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर, बड़े हनुमानजी कभी भी कर सकते हैं अमृत स्नान

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार सुबह आठ बजे तक गंगा 79.30 मीटर और यमुना 73.35 मीटर पर पहुंच गईं। संगम तट पर स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर के पास पानी पहुंचने से अब अमृत स्नान का इंतजार बढ़ गया है। जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ा तो मां गंगा कभी भी बड़े हनुमानजी को स्नान करा सकती हैं।

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार 19 अगस्त को सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर करीब 79.30 मीटर और यमुना का जलस्तर 73.35 मीटर पर है। दोनों नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

स्थिति यह है कि पानी संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान जी के मंदिर के पास पहुंच गया है। नदियों के वृद्धि की रफ्तार इसी तरह रही तो मां गंगा कभी भी हनुमानजी को स्नान करा सकती हैं। लगातार बारिश और जलस्तर में वृद्धि से रिहायशी इलाकों में मुश्किलें बढ़ गई हैं।

गंगा नगर, करेली और राजापुर के निचले इलाकों में स्थित कॉलोनियों में पानी भर गया है। लोग सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। बाढ़ को देखते हुए प्रशासन ने भी कमर कस ली है। नदियों का पानी बढ़ने के साथ गंगा–यमुना किनारे के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की बेचैनी बढ़ने लगी है। घाटों की सीढ़ियां डूबने, तटवर्ती रास्तों पर पानी पहुंचने और निचले इलाकों में आवागमन प्रभावित होने का खतरा मंडराने लगा है। संगम क्षेत्र, दारागंज, सलोरी, फाफामऊ, नैनी समेत नदी किनारे के इलाकों में लोगों की निगाहें अब लगातार जलस्तर पर टिकी हैं।

चार घंटे में भी जारी रहा बढ़ाव

मंगलवार दोपहर 12 से शाम चार बजे के बीच नैनी में 17 सेंटीमीटर, फाफामऊ में चार सेंटीमीटर और एसटीपी बक्शी बांध पर छह सेंटीमीटर पानी बढ़ा। शाम चार से रात आठ बजे के बीच नैनी में एक, फाफामऊ में चार और छतनाग में चार सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, एसटीपी बक्शी बांध पर इस दौरान जलस्तर 10 सेंटीमीटर घट गया।

खतरे के निशान से अभी नीचे

प्रयागराज में बाढ़ का खतरे का निशान 84.734 मीटर है। फिलहाल गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है। बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक बढ़ने पर जलस्तर में और तेजी आने की आशंका है।

हनुमान मंदिर में प्रवेश कर सकती हैं गंगा

जलस्तर में वृद्धि की रफ्तार इसी तरह से जारी रही तो संगम तट पर स्थित श्री बड़े (लेटे) हनुमान मंदिर में गंगा जी कभी भी प्रवेश कर सकती हैं। बाढ़ का पानी मंदिर के पास सड़क तक पहुंच गया है। वर्ष 2025 में सावन में मां गंगा ने पांच बार हनुमानजी को अमृत स्नान कराया था। यही स्थिति इस बार भी देखने को मिल सकती है।

प्रयागराज बना वॉटर पार्क. .. सोशल मीडिया में खूब बरसे तंज

बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में हुए जलभराव और अव्यवस्था के प्रति सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक लोगों का गुस्सा फूटा। किसी ने कहा, 'प्रयागराज वाटर पार्क बन गया है' तो किसी ने राज्य व केंद्र सरकार के साथ प्रयागराज में भाजपा के महापौर का जिक्र करते हुए लिखा, 'यह देखिए ट्रिपल इंजन की सरकार का कारनामा।'

लोगों की परेशानी के बीच जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन पोस्ट में लोग व्यवस्था पर सवाल उठाने के साथ तंज भी कस रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये प्रयागराज के विकास कार्यों पर सवाल उठाए। उन्होंने महाकुंभ के नाम पर हुए बड़े खर्च और शहर के स्मार्ट विकास का जिक्र करते हुए प्रयागराज का नाम 'जलराजन नगर' रखने की बात कही।

पूर्व महापौर अभिलाषा ने भी कसा तंज

पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने जलभराव की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'ऐसे तो हालात ना थे कभी जैसे ये नजारे हैं।' उनकी इस पोस्ट पर भी लोगों ने शहर की जलनिकासी व्यवस्था को लेकर प्रतिक्रियाएं दीं। फेसबुक यूजर अभिनव द्विवेदी ने सीएमपी डिग्री कॉलेज परिसर का वीडियो साझा किया जिसमें कॉलेज के अंदर पानी भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए इसे 'हर क्लास में जल योजना' बताया। कहा कि जब पूरे प्रयागराज की व्यवस्था डगमगा रही है तो कॉलेज भी इससे अछूता नहीं है।

वहीं, साकिर साकिर के फेसबुक वीडियो में जलभराव को 'नया वॉटर पार्क' बताया गया। वीडियो में स्थानीय लोग पानी निकासी की समस्या दूर नहीं होने पर चक्काजाम की चेतावनी देते नजर आए। लोगों ने बताया कि घरों में पानी घुसने से सामान खराब हो रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल इन तस्वीरों और वीडियो ने प्रयागराज की जलनिकासी व्यवस्था और विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नई बहस छेड़ दी है।

रामबाग स्टेशन पर जलभराव, झूंसी से चलीं बनारस रूट की ट्रेनें

प्रयागराज। मूसलाधार बारिश से प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन पर जलभराव की समस्या मंगलवार को बेहद विकराल हो गई। स्टेशन के ट्रैक पानी में डूब जाने के कारण प्लेटफॉर्म नंबर एक, दो, तीन और चार से ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

मूसलाधार बारिश से प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन पर जलभराव की समस्या मंगलवार को बेहद विकराल हो गई। स्टेशन के ट्रैक पानी में डूब जाने के कारण प्लेटफॉर्म नंबर एक, दो, तीन और चार से ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। हालात बिगड़ते देख रेल प्रशासन ने दोपहर बाद बनारस की तरफ जाने वाली पैसेंजर और मेमू ट्रेनों का परिचालन रामबाग के बजाय झूंसी स्टेशन से कराने का फैसला किया। अचानक हुए बदलाव से यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। मंगलवार को रामबाग स्टेशन से केवल विभूति एक्सप्रेस का ही संचालन हो सका, वह भी अपने तय समय से काफी देर से पहुंची। दोपहर 12 बजे के बजाय सवा तीन बजे रामबाग पहुंची इस ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर एक के बजाय पांच से रवाना किया गया।

13 स्थानों पर गिरे पेड़, डालियां टूटीं

भारी बारिश की वजह से शहर के 13 स्थानों पर पेड़ गिर गए। इनमें मधवापुर सब्जी मंडी स्थिति पार्षद कृष्ण कुमार पाठक के घर के पास, करेली पार्षद फजल खान के घर के पास, नैनी अरैल रोड फलाहारी आश्रम के पास, नैनी काजीपुर, डीएम कार्यालय, ट्रैफिक चौराहे के पास, इंदिरा चौराहा हाईकोर्ट, जस्टिस बिड़ला सिविल लाइंस आवास, अल्लापुर पार्षद सोनू पटेल, झूंसी हवेलिया, टीबी कॉलोनी तेलियरगंज हाईकोर्ट, बीएसएनएल कॉलोनी व डीएम आवास शामिल रहे। इस दौरान कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए।

नगर निगम और महापौर कार्यालय भी जलमग्न

शहर को जलभराव से बचाने के लिए जिम्मेदार नगर निगम कार्यालय खुद बचा नहीं सका। मंगलवार को सरोजनी नायडू स्थित नगर निगम मुख्यालय में जगह–जगह पानी भर गया। इतना ही नहीं, महापौर कार्यालय, नगर आयुक्त कार्यालय, दाखिल खारिज अनुभाग, स्मार्ट सिटी व अधिशासी अभियंता कार्यालय के सामने जलभराव हो गया। यहां पूरे दिन जलनिकासी नहीं हो सकी।

बारिश से कई इलाकों में जलभराव, घरों में घुसा पानी

लगातार बारिश से शहर के कई इलाकों में सीवर व नाले–नालियां जाम होने से जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। करेलाबाग की लाल कॉलोनी, राजापुर, ऊंचवागढ़ी, धूमनगंज और हरवारा सहित कई क्षेत्रों में लोगों के घरों में पानी भर गया। धूमनगंज के हरवारा की गलियों में जलभराव के बीच लोगों को सांप दिखाई दिया। इससे लोगों में भय का माहौल बन गया। वहीं, चौफटका, प्रीतम नगर, धूमनगंज–हरवारा, टीपी नगर, विष्णुपुरी कॉलोनी और पीपल गांव समेत कई इलाकों की सड़कों पर भी बारिश का पानी भर गया।

जलभराव पर व्यापार मंडल का फूटा गुस्सा

शहर में जलभराव और विद्युत व्यवस्था की बदहाली पर प्रयागराज व्यापार मंडल ने आक्रोश व्यक्त किया है। बैठक की अध्यक्षता मनीष कुमार गुप्ता ने की। जिलाध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी ने कहा कि नाले–नालियों की सफाई नहीं होने से बारिश का पानी घरों और दुकानों में घुस गया। इस नुकसान की जिम्मेदारी तय करने और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाए। महिला जिलाध्यक्ष जूही श्रीवास्तव ने कहा कि समय पर तारों को दुरुस्त न करने से अघोषित कटौती हो रही है। युवा जिलाध्यक्ष प्रियंक कुमार गुप्ता अंशु ने अधिकारियों की लापरवाही से सरकार की छवि प्रभावित होने की बात कही। वरिष्ठ महामंत्री विनय कुमार केसरवानी, अतुल जायसवाल, आनंद जी टंडन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, नगर संगठन मंत्री इं. विवेक गुप्ता, कमलेश यादव, राजीव तिवारी आदि मौजूद रहे। जनपद में लगातार दूसरे दिन भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा। बीती रात हुई तेज बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। हालांकि सोमवार की अपेक्षा अधिकतम तापमान में 2.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।इसके अलावा मौसम विभाग के अनुसार प्रयागराज में 24 घंटे के भीतर मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। लगातार बारिश होने की वजह से दोनों के भीतर लोगों को उमस से निजात मिली है।

स्टेडियम में भरा पानी, प्रैक्टिस प्रभावित

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के आधे हिस्से में बारिश का पानी भरने से मंगलवार को खिलाड़ियों की प्रैक्टिस प्रभावित रही। सिंथेटिक ट्रैक के पास हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, जूडो और मुक्केबाजी आदि खेलों की प्रैक्टिस होती है लेकिन यहां पिछले दो दिनों से भारी जलजमाव है। साथ ही कबड्डी और ताइक्वांडो के खेल की प्रैक्टिस भी बारिश के पानी की वजह से नहीं हो पा रही है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी शिवकुमार यादव का कहना है कि पिछले दिनों हुई ज्यादा बारिश की वजह से कुछ आउटडोर खेलों की प्रैक्टिस प्रभावित हुई है। खिलाड़ियों को इंडोर जनरल कंडीशनिंग, फिटनेस वर्कआउट और स्ट्रेंथनिक वर्कआउट कराया जा रहा है।

माफिया अतीक के करीबी जेपी दुबे की 25 करोड़ की संपत्ति कुर्क, गैंगस्टर के तहत हुई कार्रवाई

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के करीबियों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने अतीक के गैंग का सहयोगी बताए जा रहे गैंगलीडर जय प्रकाश दुबे उर्फ जेपी दुबे की करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की अचल संपत्ति कुर्क कर दी है।

माफिया अतीक अहमद के करीबियों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने अतीक के गैंग का सहयोगी बताए जा रहे गैंगलीडर जय प्रकाश दुबे उर्फ जेपी दुबे की करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की अचल संपत्ति कुर्क कर दी है। गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस आयुक्त न्यायालय ने सोमवार को कुर्की का आदेश पारित किया था।

जेपी दुबे की कुर्क की गई संपत्तियां सदर तहसील क्षेत्र के शाहा उर्फ पीपलगांव, रहीमाबाद, कटहुला गौसपुर और चंद्रभानपुर में स्थित हैं। कुल 10 गाटों में दर्ज इन संपत्तियों का रकबा 7,482.66 वर्गमीटर है। पुलिस के मुताबिक, जेपी दुबे माफिया अतीक अहमद के गैंग का सहयोगी सदस्य रहा है। उसने अपने भय और दबंगई के बल पर लोगों को डराया–धमकाया और अपराध से अर्जित धन से जमीनें खरीदीं। उसके खिलाफ रंगदारी, जमीन पर कब्जे, मारपीट, हत्या के प्रयास समेत कई आपराधिक मामलों का पुलिस रिकॉर्ड में उल्लेख है।

वर्ष 2025 में जमीन विवाद को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर जानलेवा हमले के मामले में भी जेपी दुबे की गिरफ्तारी हुई थी। वहीं, न्यायालय ने थाना एयरपोर्ट प्रभारी को संपत्तियों का प्रशासक नियुक्त किया है। अब इन जमीनों पर किसी तरह का अवैध कब्जा या अतिक्रमण नहीं किया जा सकेगा।

चार गांवों में खरीदी जमीन, कीमत 25 करोड़

पुलिस के अनुसार शाहा उर्फ पीपलगांव में 530.26 वर्गमीटर, रहीमाबाद में 1,960 वर्गमीटर, कटहुला गौसपुर में 1,985 वर्गमीटर और चंद्रभानपुर में 3,007.40 वर्गमीटर जमीन कुर्क की गई है। इन सभी को मिलाकर कुल रकबा 7,482.66 वर्गमीटर है। पुलिस ने इसकी वर्तमान बाजार कीमत करीब 25 करोड़ रुपये आंकी है।

संगठित अपराध से जुड़े लोगों और अपराध से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। —मनीष शांडिल्य, डीसीपी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- किसी भी संस्था को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं कर सकते, समय तय हो

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने कहा कि बिना वैध कारण या तय समय–सीमा के ब्लैकलिस्टिंग का आदेश जारी करना कानूनन गलत है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी संस्था या ठेकेदार को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं किया जा सकता है। बिना वैध कारण या तय समय–सीमा के ब्लैकलिस्टिंग का आदेश जारी करना कानूनन गलत है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने रामपुर की आरंभ एग्रो परपज कोऑपरेटिव सोसाइटी लि. व अन्य की याचिका पर किया। याची संस्था में वर्ष 2019 में नए चुनाव के बाद रितु मीना संस्था की अध्यक्ष चुनी गईं। आरोप है कि पूर्व अध्यक्ष और कुछ निजी व्यक्तियों ने कथित रूप से फर्जी समझौता पत्र तैयार कर रामपुर में गेहूं खरीद का अधिकार हासिल कर लिया। इस प्रक्रिया के बाद जब गेहूं की गुणवत्ता और आपूर्ति में गड़बड़ी मिली तो संभागीय खाद्य नियंत्रक (आरएफसी) मुरादाबाद ने नोटिस जारी किया। हालांकि, यह नोटिस चुनी हुई अध्यक्ष या संस्था के अधिकृत प्रतिनिधियों को देने के बजाय फर्जी तरीके से काम कर रहे व्यक्तियों को भेजा गया। 5 अक्तूबर, 2019 को संस्था को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसे याची संस्था ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसके अलावा कृषि उत्पादन मंडी समिति, रामपुर की ओर से संस्था से 4,08,191 रुपये के मंडी शुल्क और विकास उपकर की मांग का नोटिस भी जारी कर दिया गया।

नागरिक मृत्यु के समान होती है ब्लैकलिस्टिंग जैसी कार्रवाई

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला दिया। कहा कि ब्लैकलिस्टिंग जैसी कार्रवाई व्यक्ति या संस्था के लिए 'नागरिक मृत्यु' के समान होती है। ऐसी कार्रवाई से पहले प्रभावित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाना आवश्यक है। साथ ही ब्लैकलिस्टिंग की अवधि निश्चित होनी चाहिए। अदालत ने यह भी माना कि गेहूं खरीद की वास्तविक प्रक्रिया संस्था की ओर से नहीं, बल्कि फर्जीवाड़ा करने वाले निजी व्यक्तियों ने की थी। इसलिए संस्था पर मंडी शुल्क और विकास शुल्क की देनदारी नहीं डाली जा सकती।

कानपुर इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

कानपुर। शहर समता महिला काव्यगोष्ठी कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी 'श्रद्धा श्रीवास्तव' की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि हेमा पांडे और विशिष्ट अतिथि डॉ

सुषमा त्रिपाठी रहीं। इस आयोजन का संयोजन श्रद्धा श्रीवास्तव एवं संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्यगोष्ठी में शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह, सुषमा सिंह उर्मि, डॉ सुषमा त्रिपाठी, सुनीता गुप्ता, हेमा पांडे,अनीता गुप्ता, पुष्पा सिंह एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी रचनाओं की सुंदर प्रस्तुति दी।

2100 महिलाओं ने एक साथ गाई कजरी, प्रयागराज की लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा ने रचा रिकॉर्ड

लखनऊ। हरियाली तीज के अवसर पर राजधानी लखनऊ में लोक संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और विश्व शांति का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार, प्रयागराज की राष्ट्रीय लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा ने 2100 महिलाओं के साथ सामूहिक रूप से कजरी गायन में सहभागिता कर गिनीज बुक

ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 16 अगस्त 2026 को श्रीमती पुनिता भटनागर के नेतृत्व में केडी सिंह बाबू स्टेडियम परिसर स्थित अटल बिहारी हॉल में किया गया। कार्यक्रम में शामिल 2100 महिलाओं के एक हाथ में तुलसी का पौधा और दूसरे हाथ में दीपक रहा। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और विश्व शांति का संदेश दिया गया। सामूहिक कजरी गायन में राष्ट्रीय लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा के साथ लखनऊ की लोक गायिका संगीता श्रीवास्तव, रेणु दुबे और सुषमा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। उज्जैन से पधारीं शांभवी माता जी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सभी 2100 महिलाओं ने एक समान पारंपरिक परिधान पहनकर सामूहिक प्रस्तुति दी। लोकगीतों और पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से हरियाली तीज की संस्कृति को जीवंत करने के साथ ही प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में तुलसी जयंती समारोह आयोजित

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज के हिंदी विभाग द्वारा गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर तुलसी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य तुलसीदास के साहित्य में निहित लोकमंगल की भावना, मानवीय मूल्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक चेतना को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम के संरक्षक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने तुलसीदास के साहित्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तुलसी का साहित्य भारतीय समाज को मर्यादा, समरसता, करुणा और लोककल्याण का संदेश देता है। बदलते सामाजिक परिवेश में तुलसीदास की लोकमंगल की दृष्टि आज भी अत्यंत प्रासंगिक है।

हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने तुलसीदास के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तुलसी साहित्य भारतीय जनमानस की संवेदना और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त प्रतिनिधित्व करता है। उनकी रचनाओं में लोकजीवन, नैतिकता, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

समारोह में डॉ. अलका मिश्रा ने 'तुलसीदास की प्रासंगिकता' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने तुलसी साहित्य में निहित मानवीय सरोकारों,

लोकमंगल, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को रेखांकित करते हुए कहा कि तुलसी का साहित्य आज भी व्यक्ति और समाज को जीवन-मूल्यों की सार्थक दिशा प्रदान करता है।

डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव ने 'तुलसी के राम' विषय पर व्याख्यान देते हुए तुलसीदास द्वारा प्रस्तुत राम के आदर्श स्वरूप, उनके मानवीय एवं लोकमंगलकारी व्यक्तित्व तथा भारतीय समाज और संस्कृति पर उनके व्यापक प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तुलसी के राम मर्यादा, करुणा, न्याय, त्याग और लोककल्याण के आदर्श हैं।

समारोह में शोधछात्रों द्वारा तुलसी साहित्य के विविध आयामों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। शोधछात्र किसलय सिंह ने 'तुलसी रू लोक और शास्त्र', शोधछात्र आशांशु ने 'तुलसी की कविताई', तथा शोधछात्रा कोमल यादव ने 'जन–जन के राम' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। शोधछात्रा रत्ना सिंह ने 'तुलसी और गांधी के रामराज' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए तुलसी के रामराज्य की अवधारणा और गांधी के रामराज्य के बीच वैचारिक साम्य एवं लोककल्याण की भावना को रेखांकित किया।

इसी क्रम में शैलजा शुक्ला ने 'तुलसी के नैतिक मूल्य' विषय पर व्याख्यान देते हुए तुलसी साहित्य में सत्य, मर्यादा, करुणा, त्याग, कर्तव्यबोध एवं लोकमंगल जैसे नैतिक मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन शोधछात्रा सोनल सिंह ने किया। समारोह के अंत में शिवानी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कुलपति, विभागाध्यक्ष, वक्ताओं, शोधछात्रों, शिक्षकों एवं उपस्थित विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. अजीत सिंह एवं डॉ. बबलू का विशेष सहयोग रहा। समारोह में हिंदी विभाग के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तृतीय झब्बू खन्ना स्मारक फुटबॉल मैच एसजेसी में आयोजित

प्रयागराज। सेंट जोसेफ्स कॉलेज, प्रयागराज के ओल्ड बॉयज एसोसिएशन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसजेसी मैदान में तृतीय झब्बू खन्ना स्मारक वार्षिक मैत्री फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। यह मुकाबला ओल्ड बॉयज और सेंट जोसेफ्स कॉलेज स्टाफ के बीच खेला गया। दिवंगत झब्बू खन्ना जी की स्मृति में आयोजित यह वार्षिक मुकाबला जोसेफाइट परिवार के एक अत्यंत प्रिय सदस्य एवं ओल्ड बॉयज में सक्रिय योगदान देने वाले झब्बू जी के प्रति श्रद्धांजलि है। इस आयोजन ने पूर्व छात्रों और शिक्षकों में मित्रता, खेल भावना और सौहार्द के साथ एक बार फिर एक मंच पर ला दिया।

कार्यक्रम में सेंट जोसेफ्स कॉलेज के प्रधानाचार्य रेव. फादर वाल्टर डी'सिल्वा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जबकि प्रतिष्ठित वरिष्ठ जोसेफाइट एवं प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. ए. एन. वर्मा (1962 बैच) मुख्य अतिथि थे।

ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के सचिव आर्किटेक्ट पीयूष टंडन (1983 बैच) ने झब्बू जी के ओल्ड बॉयज एसोसिएशन

से जुड़ाव को याद करते हुए उनके महत्वपूर्ण योगदान तथा पीढ़ियों के जोसेफाइट्स के बीच उनके प्रति रहे स्नेह को स्मरण किया। मैच का प्रायोजन दिवंगत झब्बू खन्ना जी के परिवार द्वारा किया गया। उनके पुत्र श्री अमित खन्ना सहित परिवार के अन्य सदस्य भी आयोजन में उपस्थित रहे और पुरस्कार वितरण समारोह में भी शामिल हुए। मैच में दोनों टीमों ने उत्साह और खेल भावना का प्रदर्शन किया। डॉ. मनोज सिंह की कप्तानी वाली एसजेसी स्टाफ टीम ने राजेश किडर की कप्तानी वाली ओल्ड बॉयज एसोसिएशन टीम को 4–0 से पराजित किया।

इवेंट चेयरमैन अंकित देवड़ा, संयुक्त सचिव अक्षत कपूर एवं अभिषेक वर्मा ने सचिव आर्किटेक्ट पीयूष टंडन के मार्गदर्शन में आयोजन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्हें स्पोर्ट्स एवं आयोजन समिति के सदस्यों संजय चंदा, डॉ. उमर हसन, विभोर प्रसाद राणा, मनीष मेहरोत्रा, आसिफ कमाल, डा तुषार लूथरा एवं अन्य सदस्यों का सहयोग मिला।

इस अवसर पर व्ठ। अध्यक्ष डॉ. प्रोबल नियोगी, कोषाध्यक्ष संजय खंडूजा, कोर कमेटी सदस्य ज्योति दुबे एवं डॉ. विष्णु देव, तथा लाइफ मेंबर्स संजय भार्गव, अनुराग पांडे, अमित मिश्रा, राघव माहेश्वरी, जगदीश्वर खन्ना सहित अन्य जोसेफाइट्स उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन ओसामा कमर सिद्दीकी ने किया, जबकि डॉ. विष्णु देव ने अपनी जीवंत कमेंट्री के दौरान दर्शकों को पूरे मुकाबले के दौरान जोड़े रखा। कार्यक्रम के अंत में व्ठ। के सचिव आर्किटेक्ट पीयूष टंडन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सावन मास में बकुलाही मैया ने लिया रौद्र रूप

नदी की नई व प्राचीन दोनों जल धारा जल मग्न, 20 सत्याग्रह के बाद स्वयम प्रकट हुआ तालाब

गाँव गाँव में खुशी की लहर, वर्षो बाद देखने को मिली नदी

शिव गंगा ताल ने ग्रहण किया प्राचीन स्वरूप, स्वयम दे रहा अपने वजूद की गवाही

प्रतापगढ़। सावन के तीसरे सोमवार तथा मंगलवार की भारी बारिश ने जनपद में बाढ़ की स्थिति पैदा कर दी है। रामायण कालीन बकुलाही नदी ने भी अपनी सहायक जल धाराओं में अथाह जल के साथ रौद्र रूप ग्रहण किया है। नतीजतन भयहरणनाथ महादेव धाम का नदी का विहंगम दृश्य देखने को मिल रहा है जहाँ तीन ओर से नदी ने धाम को घेर रखा है। वहीं पीछे स्थित अति प्राचीन शिव गंगा ताल अथाह जल भरे अपनी प्राचीनता की गवाही स्वयम दे रहा है। यह जानकारी देते हुए बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के संयोजक व भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि बकुलाही व भयहरणनाथ क्षेत्र के गाँव गाँव में जहाँ बच्चों और युवाओं में नदी व अथाह जल को देखकर खुशी व प्रशंसात्मक खबरें मिल रही हैं। वहीं अतिक्रमण व अदूरदर्शिता के चलते जल भराव व उससे होने वाले नुकसान, मार्गो के अवरुद्ध होने सहित कच्चे मकान गिरने की लगातार सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। छतौना, शिवरा व हैन्सी में पुलिया के 1 मीटर ऊपर पानी बह रहा है। भटपुरवा में बना करोड़ो का पुल भी बेकार साबित हुआ क्योंकि पुल के बाहर दोनों तरफ 100–100 मीटर चौड़ी नदी बह रही है और जल भराव हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि गुरुवार 20 अगस्त को वह भयहरणनाथ धाम क्षेत्र की बकुलाही नदी की प्राचीन धारा का साथियों, कार्यकर्ताओं व ग्राम वासियों के साथ व्यापक भ्रमण करेंगे। बाढ़ की यथास्थिति का अध्ययन व आकलन करके अपेक्षित सुझाव सरकार, समाज व जिला प्रशासन को देकर यथोचित प्रयास किया जायेगा। वह भयहरणनाथ धाम तीर्थ क्षेत्र के सूर्य मंदिर, ऊँचडीह, शिवरन देवी धाम व गौरा देवी स्थान आदि का दर्शन पूजन भी करेंगे।

बाढ़ ने कही कहानी

(कुण्डलिया)

दर्पण–सा निर्भीक हैं, उनके सारे कथ्य।
धीरे–धीरे बाढ़ ने, दिखा दिया वह सत्य।
दिखा दिया वह सत्य,जहाँ थी घपलेबाजी।
मूरख सबको समझ, बना था खुद ही काजी।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दुखदायी वर्षण।
दिल से करिये मदद, हमेशा बन कर दर्पण ।।

पानी ने ही खोल दी,उनकी बन्द किताब।
छद्म प्रसिद्धी के लिए, पहने सत्य नकाब।
पहने सत्य नकाब, मदद का ढोंग रचाते।
थोड़ा सा दे दान, बहुत कुछ खुद ही खाते।
सुन लो कहें प्रदीप, बाढ़ ने कही कहानी।
बाँध हुए कमजोर, बस्तियों में है पानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सपा अब सफा हो जायेगी–केशव

लखनऊ (संवाददाता)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इंडिया गठबंधन की लुटिया डूबने वाली है और सपा अब सफा हो जायेगी। अपने सरकारी आवास पर मीडिया से मुखातिब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की लुटिया डूबने जा रही है, समाजवादी पार्टी सफा हो जाने वाली है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झाँसी मंडल के बीना–वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी खंड में आगासोद–बीना के मध्य तीसरी लाइन के निर्माण के संबंध में आगासोद स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, रिशेड्यूलिंग एवं रेग्युलेशन किए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12943	वलसाड-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-भोपाल-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-मानिकपुर-प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल	14.10.2026
22589	बनारस-हडपसर	बनारस-प्रयागराज-गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	बनारस-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-जबलपुर-इटारसी	02.10.2026 से 14.10.2026
20104	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-भोपाल-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	14.10.2026
01026	बलिया-दादर	मानिकपुर-खजुराहो-बीना-इटारसी	मानिकपुर-सतना-जबलपुर-इटारसी	14.10.2026
12174	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लोकमान्य तिलक (ट.)	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-भोपाल-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	15.10.2026
11408	लखनऊ-पुणे	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-भोपाल-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	15.10.2026
12107	लोकमान्य तिलक (ट.)-सीतापुर	इटारसी-भोपाल-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन केबिन-हमीरपुर रोड-कानपुर सेंट्रल	14.10.2026

रेलगाड़ियों की रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	रिशेड्यूलिंग समय	प्रारंभिक स्टेशन से रिशेड्यूलिंग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12174	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लोकमान्य तिलक (ट.)	120 मिनट	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ से	13.10.2026
22583	छपरा-लोकमान्य तिलक (ट.)	120 मिनट	छपरा से	13.10.2026
19484	सहरसा-अहमदाबाद	120 मिनट	सहरसा से	14.10.2026

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	रेग्युलेशन समय	रेग्युलेशन ओवर	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12144	सुल्तानपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	60 मिनट	झाँसी मण्डल	13.10.2026
11408	लखनऊ-पुणे	60 मिनट	झाँसी मण्डल	13.10.2026
12511	गोरखपुर-तिरुवनन्तपुरम	60 मिनट	झाँसी मण्डल	15.10.2026

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1898/26(A)

उत्तर मध्य रेलवे

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) कार्यालय, प्रयागराज

सं0: सीएम-1/एटीवीएम/फैसीलिटेटर/पार्ट-18/दिव्यांगजन/प्रयागराज/2026 दिनांक :- 17.08.2026

दिव्यांगजनों के लिए सुनहरा अवसर

एटीवीएम फैसीलिटेटर के पद के लिए केवल (गतिशील अक्षमता वाले दिव्यांगजन) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों और सामान्य जनता से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

यह आवेदन नौकरी हेतु नहीं है।

यह नियुक्ति पूरी तरह से संविदात्मक है और इसमें कोई सुविधाएँ जैसे रेलवे सेवा में अवशोषण, सेवा का नियमितीकरण, बोनस, रेलवे पास सुविधाएँ आदि नहीं हैं।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित स्टेशनों (स्टेशनों की सूची अनुलग्नक-बी के रूप में संलग्न है) पर ए0टी0वी0एम0 (आटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) के लिए फैसिलिटेटर के रूप में लगाये जाने हेतु इच्छुक (केवल दिव्यांगजन गतिशील अक्षमता वाले) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों और सामान्य जनता से बन्द लिफाफे में आवेदन आमंत्रित करते हैं:-

स्टेशन का नाम : एन.एस.जी. 2: प्रयागराज, प्रयागराज-छिवकी, कानपुर सेंट्रल।
एन.एस.जी. 3: मिर्जापुर, सूबेदारगंज, फतेहपुर, इटावा, अलीगढ़।
एन.एस.जी. 4: मानिकपुर, कानपुर अनवरगंज, फफूँद, फिरोजाबाद, खुर्जा, दादरी।
एन.एस.जी. 5: चुनार, विंध्याचल, नैनी, भरवारी, सिराथू, गोविंदपुरी, रूरा, झींझक, भरथना, शिकोहाबाद, जलेसर रोड, हाथरस, डनकौर।
एन.एस.जी. 6: सोमना।

कार्य की अवधि : अनुबंध 06 माह के लिए मान्य है।

बयाना राशि : शून्य | आवेदन का मूल्य : रू0 100/-

1. सभी सम्बन्धित नियमों एवं शर्तों के साथ आवेदन (अधिसूचना की तिथि से प्रारम्भ होकर) दिनांक 07.09.2026 को 11:00 बजे तक उपलब्ध है। आवेदन फार्म किसी भी कार्य दिवस (सोमवार से शुक्रवार तक) समय 09:00 बजे से 17:00 बजे तक मिर्जापुर, प्रयागराज, प्रयागराज-छिवकी, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूण्डला, अलीगढ़, खुर्जा के बुकिंग कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन फार्म का मूल्य रू0 100/- रुपये (अप्रतिदेय) है, जिसे बुकिंग कार्यालय में जमा करना होगा और मूल एम0आर0 को आवेदन फार्म के साथ नत्थी करना होगा। 2. आवेदन फार्म उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं। आवेदन फार्म का मूल्य रू0 100/- है। आवेदक को आवेदन के साथ किसी अनुसूचित वाणिज्य बैंक द्वारा वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज, के पक्ष में जारी रू0 100/- का बैंक ड्राफ्ट/डी0डी0 डाउनलोड आवेदन फार्म के मूल्य के रूप में संलग्न करना होगा। 3. विधिवत पूर्णतः भरे हुए तथा सभी औपचारिकताओं के साथ पूर्ण आवेदन फार्म बन्द लिफाफे में सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, वाणिज्य शाखा, द्वितीय तल, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में तथा स्टेशन निदेशक/उप मुख्यालयाध्यक्ष प्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, स्टेशन भवन, कानपुर सेन्ट्रल के कार्यालय में दिनांक 07.09.2026 को 13:00 बजे तक प्राप्त किए जायेंगे और उन्हें उसी दिन 15:00 बजे खोला जायगा। यदि किसी कारण से उक्त तिथि को अवकाश घोषित कर दिया जाता है, तो अगले कार्य दिवस में उसी स्थान और समय पर आवेदन खोले जायेंगे। 4. विलम्ब से प्राप्त आवेदन न तो स्वीकार किए जायेंगे और न उन पर विचार किया जायेगा तथा अधूरे/गलत भरे हुये फार्म अस्वीकार/निरस्त कर दिये जायेंगे। 5. रेल प्रशासन किसी भी आवेदन को किन्हीं भी परिस्थितियों में स्वीकार/अस्वीकार/निरस्त करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

वरि. मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1894/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./26-27/03 | दिनांक: 18.08.2026

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सीपीओएच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 08.09.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं. 1	निविदा नं.: टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-03-26-27	बयाना राशि ₹ : ₹ 112000.00

कार्यों का विवरण: निर्धारित कार्य-अनुसूची के अनुसार विभिन्न प्रकार की टैम्पिंग मशीनों में ग्रीस के समान प्रवाह को सुनिश्चित करने हेतु एडॉप्टर पर डिस्ट्रीब्यूटर ब्लॉकों की मशीनिंग, बेंडिंग एवं कनेक्टिंग द्वारा स्वचालित ग्रीसिंग प्रणाली की आपूर्ति एवं स्थापना करना, तथा स्टील एवं पॉलीविनाइल होज़ उपलब्ध कराना, जिसमें सभी संबंधित यूनिट शामिल हों।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 5597246.31	निविदा प्रपत्र की लागत(₹): निल
कार्य समापन की अवधि : 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 08.09.2026

पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य: RDSO द्वारा अनुमोदित सूची के अनुसार स्वचालित ग्रीसिंग प्रणाली से संबंधित कोई भी कार्य।

नोट: 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे भुगतान अथवा GCC मैनिफेस्टिनियम के अनुसारही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जासकता है। 8. ऑन लाइन निविदा दिनांक 08.09.2026 समय 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।

1900/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 28/2026 | दिनांक: 18.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.एम.डी. (₹)
1	19266884A	इलास्टिक रेल क्लिप (ERC) MK-V 60kg, UIC/52kg	618220 नग	12,03,580/-

निविदा खुलने की तिथि:- 10.09.2026

नोट: (1) उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1907/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :- वि0/म0क0(वृ0)/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/71 | दिनांक : 17.08.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.:- वि0-म0क0(वृ0)-कार्य ठेका 80R-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल में (1) इलेक्ट्रिक ट्रिप शेड PRYJ में एडवांस ट्रिप मेंटेनेंस सेंटर का प्रावधान (2) कानपुर डब्ल्यू./एल. और जी.एम.सी. क्षेत्र स्थित इलेक्ट्रिक ट्रिप शेड में एडवांस ट्रिप मेंटेनेंस सेंटर का प्रावधान के कारण 25 के0वी0 ओ0एच0ई0 में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत: रु. 31836849.81	बिड सुरक्षा राशि: रु. 636700.00
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 09.09.2026, 14:00 बजे	बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 09.09.2026, 15:00 बजे	कार्य अवधि: 12 महीना

नोट:-(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1895/26 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

नबीन के नगीने

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नये बदलाव के जरिये एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन–जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। कैमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार–प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दर्शाता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है। पार्टी ने यह भी महसूस किया कि हालिया छात्र आंदोलन में छोटे वीडियो, व्यंग्य, राजनीतिक मीम व वायरल सामग्री की लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उ.प्र. का दबदबा नजर आता है। जिन आठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उनमें राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी सुर्खियों में है। साथ ही राजनीतिक समीकरण साधने के लिये ओबीसी से लेकर अल्पसंख्यक चेहरे कार्यकारिणी में उ.प्र. से शामिल किए गए है। कह सकते हैं राजनीति के साथ ही सामाजिक समीकरण भी साधने की कोशिश हुई है। बहरहाल, नितिन नबीन की नई कार्यकारिणी में महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी ने खासी सुर्खियां बटोरी हैं क्योंकि अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्हें हाशिये पर माना जा रहा था। एक समय राहुल गांधी को हराकर अमेठी से सांसद और मंत्री बनने के बाद वे लगातार सुर्खियों में रही थीं। वहीं कुर्मी समाज से आने वाली रेखा वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं दलित समुदाय से आने वाले बुलंदशहर के सांसद डॉ.भोला सिंह राष्ट्रीय सचिव, प्रभावी यादव समाज से आने वाली आजमगढ़ की संगीता यादव के जरिये आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश हुई है। उत्तर प्रदेश से ही अमरपाल मौर्य को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है। दूसरी ओर उ.प्र. के ही कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चे की कमान दी गई है। जो संगठनात्मक रणनीति के साथ ही इन समाजों में पकड़ मजबूत करने की कोशिश भी है। इसे उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की तैयारी माना जा रहा है। निस्संदेह, यह कहावत सटीक है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उ.प्र. से होकर ही जाता है। यही वजह है कि भाजपा के लिये प्रदेश का विधानसभा चुनाव प्रतिष्ठा का प्रतीक बनना स्वाभाविक ही है। दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में संघ से जुड़े रहे राम माधव, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रहे तीरथ सिंह रावत व बैजयंत जयपांडो जैसे दिग्गज नेताओं को तरजीह मिली है। वहीं युवाओं को प्राथमिकता देने के क्रम में युवा मोर्चे के अध्यक्ष के रूप में हेमांग जोशी के नाम की चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ पार्टी ने राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल को दी है। वहीं नॉर्थ ईस्ट कॉर्डिनेटर पद पर संबित पात्रा व मीडिया संयोजक के पद पर अनिल बलूनी दायित्व निभाएंगे। पार्टी ने महिलाओं को भी महत्व दिया है और राष्ट्रीय पदाधिकारियों में कुल मिलाकर बारह महिलाएं शामिल की गई हैं। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ की नेता रूप चौधरी को प्रदान की गई है।

पद्मनाथ सिंह: एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता व राजनेता

अदम्य साहस, असीम शक्ति व राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति के भावना के साथ (25 अगस्त 1913) को,उत्तर प्रदेश के जनपद–मऊ(तत्कालीन आजमगढ़) के ग्रामसभा–परदहां नामक स्थान पर, राम रहस्य सिंह व हरचांदो देवी के घर जन्मे एक साधारण बालक ने,अपने जनपद व प्रदेश ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत में स्वाधीनता संग्राम व राष्ट्रहित में अपने अतुलनीय व अविस्मरणीय कार्य से वस्तुतः एक अमिट छाप छोड़ा है। जनपद के जीवन राम इंटर कॉलेज से प्राथमिक,माध्यमिक व दसवीं की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात बारहवीं में क्वींस कॉलेज बनारस में दाखिला लिया,तथा इसी बीच गरमपंथी व उग्रवादी संस्था "यूथ–लीग" के संपर्क में आए,जहां सर्वप्रथम "वतन–ए–प्रेम" का मिसाल देते हुए, क्वींस कॉलेज की इमारत पर झंडा फहराए,जिसके कारण गिरफ्तार कर लिया गया,जिसमें दो महीने की जेल हुई। तत्पश्चात स्नातक में (बी.ए.)पढ़ने के लिए हिंदू विश्वविद्यालय बनारस में दाखिला लिए,परंतु देश प्रेम व राष्ट्रीयता से ओत–प्रोत वातावरण ने स्वाधीनता संग्राम की लहर और तेज कर दी,और परिणाम स्वरुप पंडित गोविंद मालवीय के नेतृत्व में संदेशवाहक के रूप में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की टोली में शामिल होकर जालौन के धनतौली पहुंचे,जहां पड़ोसी गांव डुमरांव के ठाकुर साहब सिंह रियासत के जिलेदार नियुक्त थे,और शेष छुट्टियां उन्होंने वहीं बिताया।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से वकालत पास करने के बाद,जब घर लौटें तो बाबूजी की दिली इच्छा थी,आगे की बैरिस्टर की डिग्री के लिए लंदन जाएं तथा कुदरत को मंजूर न होने के कारण,पूरी तैयारी के बाद भी द्वितीय विश्व युद्ध के शुरू होने से,लंदन जाना टल गया। जिरह करने की शैली व कानून पर जबरदस्त पकड़ होने के कारण,पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध तत्कालीन वरिष्ठ अधिवक्ता ज़नाब मिर्ज़ा मुर्तज़ा बेग ने अपना शिष्य बनाया और वकालत की ककहरा सिखाया। वर्ष (1935 से 1958) तक आजमगढ़ के सुप्रसिद्ध वकील के रूप में सेवाएं दी,तथा प्रांतीय चुनाव (1937) में पंडित राधाकांत मालवीय, कांग्रेस के उम्मीदवार को जिताने के लिए खूब प्रचार–प्रसार किए और सफल भी रहे। सभी आंदोलन के भांति अगस्त(1942) का "भारत छोड़ो आंदोलन" भी भीषण तूफानी लहर के साथ,आजमगढ़ में भी जोर–शोर से पहुंचा,(9 अगस्त 1942) को जिले के शीर्षस्थ नेता गिरफ़्तार कर लिए गए और देखते ही देखते,पद्मनाथ सिंह जी का आजमगढ़ वाला घर क्रांतिकारियों व फरारों का अड्डा बन गया, जिसकी वजह से एक अलग ही खामियाज़ा भुगतना पड़ा,और साथ ही परदहां गांव वाले घर पर भी,गहन जांच के साथ पहरेदारी होने लगी। आंदोलन को पुर्नजागृत करने के उद्देश्य से पुणे यात्रा अभियान(9 अगस्त 1943) से चलाना सुनिश्चित हुआ,गांधी जी आगा खान महल में नजर बंद थें। अभियान को सफल बनाने व मजबूती से पेश करने हेतु स्वयंसेवक भर्ती करने थें,उसी क्रम में आजमगढ़,बलिया,गाजीपुर,जौनपुर और फैजाबाद की जिम्मेदारी के साथ ही उन्होंने ढाई सौ स्वयं सेवक भर्ती किए। अगस्त(1943) में ही इलाहाबाद में प्रतिज्ञा पत्रों के साथ सभी को मिलना था,जिस क्रम में (1 अगस्त 1943) को बनारस पहुंचकर देवता प्रसाद गहमरी से मिले,जिन्होंने बड़े सेवा–सम्मान से आवभगत की और एक दिन उनके घर ठहरने के बाद दूसरे दिन 2 अगस्त 1943 को बनारस कैंट स्टेशन पर, गहमरी जी के जासूसी पर ही (दफा–129 भारत रक्षा नियम) में गिरफ्तार कर,सेंट्रल कारावास बनारस में डाल दिए गए। जहां अनगिनत बार अंग्रेजी हुकूमत ने सभी राज खोलने व माफी मांगने पर रिहा करने की शर्त रखी,परंतु हर बार उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए,आग में घी डालने का काम किया,और परिणाम स्वरूप रिहा होने में असफल रहे।

(4 अप्रैल 1945) को बाबूजी,माता जी और चचेरे भाई जेल में मिलने आए। मिलना बेहद दुखद रहा,क्योंकि माताजी बराबर सिसकियां भरती रहीं और बाबूजी एक शब्द भी न बोल सकें,और भाई भी एकदम रुआंसे पड़े रहे। परिवारजनों के घर लौटते वक्त बाबूजी को सांघातिक रूप से घायल होने की सूचना मिलते ही मन पूर्णतरू व्यथित और शोक–संतप्त हो उठा, परंतु हाथों में बेड़ियाँ होने के कारण, मिलने जाने में असमर्थ रहे,लेकिन राज नारायण सिंह व प्रभु नारायण सिंह रात भर प्रदेश के गवर्नर और बनारस व आजमगढ़ के जिलाधीशों से इन्हें छोड़ देने की निवेदन पत्र लिखते रहें,लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था,और इसी बीच बाबूजी का देहांत हो गया। इकलौती संतान होने के वजह से बाबूजी की श्राद्ध और वृद्ध मां के सेवा के लिए छोड़ने के लिए पत्र लिखे गए,इस पर विदेशी हुकूमत ने इस शर्त पर छोड़ना स्वीकार किया कि, यह सभी सरकार विरोधिकारियों के लिए माफी मांगे और आगे किसी भी प्रकार के सरकार के विरोध में भाग ना लें,लेकिन स्वाधीनता,स्वाभिमान और स्वतंत्रता की जड़े,इतनी मजबूत थीं कि,इस बार भी उन्होंने अपना फैसला अटल व अड़ीग रखते हुए विदेशी हुकूमत के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया,अंततः अंतिम संस्कार में शामिल होने से वंचित रह गए। इसी बीच बनारस सेंट्रल जेल में "हैजा" की बीमारी फैली और कई कैदी इसमें बीमार पड़े और शहीद भी हो गए। बनारस का तत्कालीन "आज समाचार पत्र" राष्ट्रीयता का अग्रदूत संचार प्रसारक था, इसी बीच उसमें एक दिन खबर छपी की,पदमनाथ सिंह की भी तबीयत बहुत खराब है और वह अस्पताल में भर्ती हैं। भाई रामस्वरूप सिंह जी ने भरपूर प्रयास किया कि यह खबर मां तक न पहुंचे।(1 अक्टूबर 1943) को लगभग (11बजे) रात को उन्हें जेल से मुक्त कर काशी विद्यापीठ वाराणसी पहुंचा दिया गया,सुबह 2 अक्टूबर को जब घर पहुंचे तो,जो माँ इस आशा में थीं की बेटा जेल से जल्दी छूट आएगा और वह उससे मिल सकेंगी,अब वह माँ बाबूजी के जाने के बाद पूरी तरह टूट चुकीं थी,और मात्र एक जीवित शव के रूप में पड़ी थी। लाख सेवा और उपचार करने के बाद भी माँ को बचाने में असफल रहें,और डेढ़ महीने बाद (17 नवंबर 1945) को रात (11)बजे मां ने गोद में ही अंतिम सांस ली। मन और साहस को तोड़ देने की आपदाओं से संभले तो पुनः आजमगढ़ में वकालत आरंभ किए। तत्पश्चात जन–आग्रह और देश सेवा के भाव से (1952) में प्रथम विधानसभा के चुनाव में आजमगढ़ के मुबारकपुर,मोहम्मदाबाद क्षेत्र से विधायक चुने गए,इस दौरान उन्होंने खुरहट व गोंठा पंप कैनाल,थर्मल पावर हाउस, सठियांव चीनी मिल,स्वदेशी कॉटन मिल, परदहा विकास खण्ड व कताई मिल,घाघरा के दक्षिणी तट पर बांध,कई प्राथमिक विद्यालय व सरकारी नलकूप,बुनकर कालोनी,तथा वनदेवी वन का आरक्षीकरण जैसे तमाम ऐतिहासिक कार्य किए,लेकिन उन्हें राजनीति बहुत रास नहीं आई और सन (1959) में एशिया के सबसे बड़े उच्च न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत प्रारंभ किए, जहां उनकी विद्वता और अतुलनीय योगदान के लिए वर्ष (1991) में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में सम्मानित किया गया। परदहां के पुश्तैनी मकान जिसमें बाबूजी व माताजी दोनों लोग शहीद हुए थें,उसमें बालिका विद्यालय का शिलान्यास तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष केशरी नाथ त्रिपाठी जी ने किया,जिसमें (ध5000) की आर्थिक मदद पद्मनाथ सिंह जी ने भी किया था,परंतु सरकार की विशेष रुचि न होने के कारण अब वह घर वैसे ही सुनसान पड़ा है,जिस पर वर्तमान सरकार को गौर करना चाहिए।

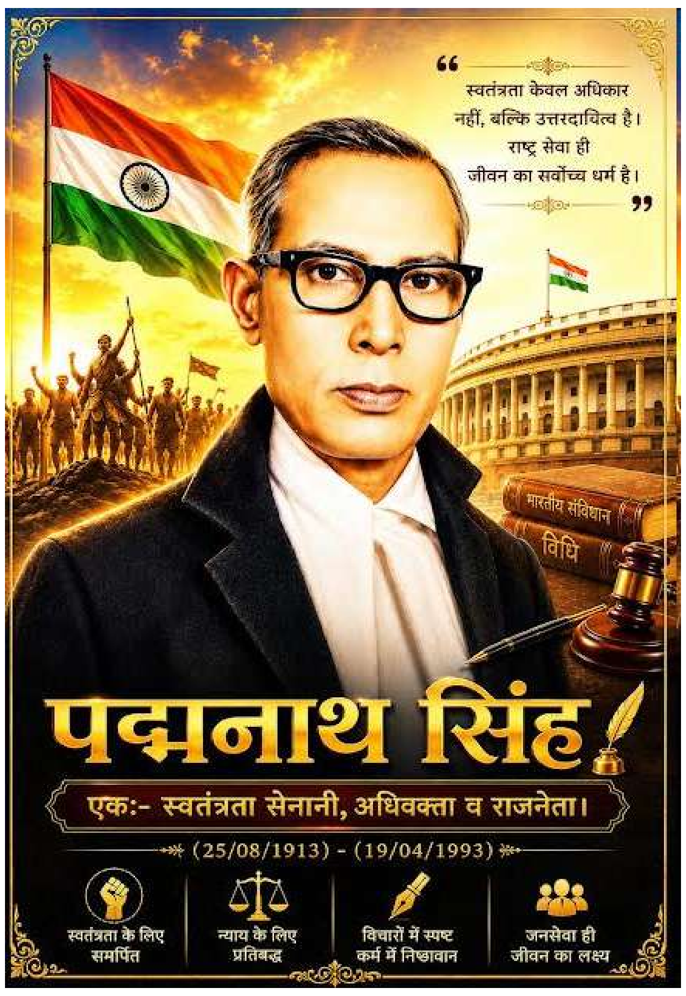

पद्मनाथ सिंह जी अखिल भारतीय स्वाधीनता संग्राम सेनानी समिति के उपाध्यक्ष तथा विधायक के रूप में "जमींदारी उन्मूलन" के सदस्य व कानूनविद व शिक्षाविद के रूप में भारतीय चुनाव व्यवस्था,न्याय व्यवस्था व संविधान के स्वरूप व तमाम अनेक समस्याओं पर अपने लेख प्रकाशित कर चुके हैं। और इसी तरह आविर्भाव से तिरोभाव तक के (79 वर्ष,7 माह और 24 दिन) का सफ़र, पद्मनाथ सिंह जी ने तमाम उतार–चढ़ाव का सामना करते हुए तय किया। आज जब हम उनके (113) वीं जयंती मना रहे हैं,तो यह स्पष्ट करता है कि पदमनाथ सिंह जी की प्रासंगिकता बनी हुई है, और निसंदेह अनंत काल तक बनी रहेगी। केवल बीसवीं और इक्कीसवीं शताब्दी ही नहीं,बल्कि आने वाली हर पीढ़ियों और शताब्दियों के लिए पदमनाथ सिंह जी एक स्वतंत्रता सेनानी, कुशल अधिवक्ता और लोकप्रिय राजनेता के रूप में यादों में बने रहेंगे,पद्मनाथ सिंह जी अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों के प्रेरणाश्रोत हैं।

लेखक– आशीष कुमार सैनी
(एम.ए. – आधुनिक इतिहास)
इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

लघुकथा

बदलता परिवेश

कमरे में प्रवेश करते ही राजेश ने देखा कि सीमा मोबाइल में व्यस्त थी। वह झल्लकर बोला, "जब भी मैं कमरे में आता हूँ, तुम मोबाइल से चिपकी रहती हो। क्या कर रही हो?"

"कुछ नहीं, कल के जन्मदिन की पोस्ट तैयार कर रही हूँ," सीमा ने कहा।

"किसका जन्मदिन?" राजेश ने आश्चर्य से पूछा।

सीमा गुस्से से बोली, "तुम्हें अपना और बच्चों का जन्मदिन तो याद रहता है, लेकिन कल मेरा जन्मदिन है, यह याद नहीं।"

"ओह! भूल गया। खैर, कल तो छुट्टी है। बताओ, क्या तैयारी करनी है?"

"कुछ नहीं। कल मैं दिन भर नेट पर रहूँगी। व्हाट्सऐप, मैसेंजर, फेसबुक और फोन पर शायद ही कोई मित्र मुझे शुभकामना देना भूले। सबको जवाब देना ही मेरा मुख्य धर्म होगा।"

"मतलब?" राजेश ने पूछा।

"मतलब यह कि सुबह का खाना तुम और बच्चे अपनी मर्जी से कर लेना। रात में होटल चलकर खाना खा लेंगे। आजकल बच्चों को घर का खाना पसंद भी कहाँ है!"

राजेश चिढ़कर बोला, "अब तुम्हारे भी 'पर' निकल आए हैं!"

सीमा गंभीर होकर बोली, "देखो राजेश, जब तक माँजी थीं, वे मेरे जन्मदिन पर टीका करती थीं और उपहार में साड़ी या सूट देती थीं। मैं भी उनके साथ सामंजस्य बनाकर चलती थी। हर उत्सव पर दो सब्जियाँ, रायता, सलाद, खीर, पूड़ी-कचौड़ी घर में बनाती थी।"

वह कुछ पल रुकी, फिर बोली, "आज की पीढ़ी को हर उत्सव पर पिज़्ज़ा, बर्गर, चाउमीन, मोमोज और पेस्ट्री चाहिए। पिछली बार मैंने कितने शौक से यह सब बनाया था, लेकिन बच्चों ने हाथ तक नहीं लगाया।"

"तो अब?" राजेश ने पूछा।

"पिछली पीढ़ी के साथ हमारी पीढ़ी ने समझौता किया और अब नई पीढ़ी के साथ भी हमें ही सामंजस्य बनाना है। बदलते समय में शांति चाहिए, लेकिन अपनी संस्कृति भी तो जीवित रखनी है। इसलिए कल सुबह मैं मेवे की खीर बनाऊँगी और हम दोनों बच्चों के साथ मंदिर भी जाएँगे।"

राजेश मुस्कुराया, "सही कहा तुमने। तीन सौ पैंसठ दिनों में एक दिन तुम्हारा भी होना चाहिए, जब तुम अपनी खुशी से जियो। यह सिर्फ तुम्हारी नहीं, हम दोनों की जीत है।"

रचना सक्सेना
प्रयागराज

आंदोलनों से डरे लोग

तीन दिन पहले पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक और कारोबारी रामदेव ने शिक्षा व्यवस्था में आई गड़बड़ी और परीक्षाओं के पर्चे लीक होने को लेकर चिंता जताई थी। कई चौनलों के माइक के सामने बिना किसी का नाम लिए कहा था– सुधर जाओ, वर्ना मैं

आंदोलन करूंगा। उन्होंने यह भी कहा था कि देश में बहुत से घपले हैं। लेकिन फिर न जाने कैसे उन्होंने अपने ही बयान पर शीर्षासन करते हुए अब कहा है कि श्देश का बचपन खतरे में हैं, इसलिए इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा यही है। कुछ लोग बचपन का इस्तेमाल आंदोलन में कर रहे हैं। यदि देश का बच्चा प्राइमरी स्कूल में पढ़ रहा है और आप उसको आंदोलन में धकेल देंगे, तो बच्चा पढ़ेगा कब। उसको पता ही नहीं कि आंदोलन क्या होता है। लेकिन आपने उसको आंदोलन में धकेल दिया कि जाओ तुम भी थाने का घेराव करो, सड़कों पर उतर जाओ, डीएम–एडीएम का घेराव करो। छोटे बच्चों को आंदोलन में नहीं धकेलना चाहिए, ऐसा पूरी दुनिया में कहीं नहीं होता। रामदेव ने यह भी कहा कि देश में अराजक आंदोलन तो नहीं होना चाहिए, लेकिन संवैधानिक, लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित आंदोलन होने चाहिए। आंदोलन के नाम पर अराजकता नहीं होनी चाहिए। देश की शिक्षा और चिकित्सा को लेकर गहरे प्रश्न हैं, उनका समाधान होना चाहिए। रामदेव ने कहा, श्यह किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है कि वो देश की व्यवस्था बदल सके। इसके लिए तीन स्तर पर जागरूकता चाहिए। सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की जागरूकता चाहिए। पाठक जानते हैं कि योग शिविर लगाते–लगाते रामदेव की गिनती देश के दिग्गज कारोबारियों में होने लगी है। देश–विदेश में उनके पतंजलि आयुर्वेद का करोड़ों का कारोबार फैला हुआ है। इसलिए वे सुविधाजनक तरीके से अपने बयान से पलटते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं। लेकिन इस बार उन्होंने जो कुछ कहा है उस पर गौर करना जरूरी है। रामदेव कट्टर मोदी समर्थक माने जाते रहे हैं। अन्ना आंदोलन के बाद उनका भी आंदोलन यूपीए सरकार के खिलाफ हुआ था और पुलिस कार्रवाई होने पर उन्होंने सलवार पहनकर भागने की कोशिश भी की थी। बहरहाल, यूपीए सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर सत्ता से हटाने के लिए खुलकर आंदोलन करने और दूसरे आंदोलनों का समर्थन करने वाले रामदेव अब ज्ञान दे रहे हैं कि आंदोलन कैसे होने चाहिए और कैसे नहीं। आंदोलन की मुखालफत करने वाले रामदेव यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने जरा सी भी अराजकता नहीं दिखाई, बल्कि बेहद अनुशासित तरीके से अपनी मांगें सामने रखीं थीं। मोदी सरकार इस समय जेन जी और जेन अल्फा के मुखर होने के कारण घिर ही चुकी है, तो रामदेव कह रहे हैं कि देश में व्यवस्था बदलना किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर उन्हें खुलकर नरेन्द्र मोदी से कहना चाहिए कि फ्रेंड्स के लिए रील बनाने से लेकर, ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और नोटबंदी की घोषणा तक सारे काम आप ही क्यों करते हैं, अपने मंत्रियों को काम करने क्यों नहीं कहते। रामदेव ने बड़ी चालाकी से सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की बात कही, लेकिन सरकारी शब्द मुंह से नहीं निकाला। जबकि शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार का पहला जिम्मा लोककल्याणकारी सरकार का ही बनता है। अगर जिम्मेदारी निभाई नहीं जाती तो फिर सत्ता पर बैठे लोगों को हट जाना चाहिए। और जहां तक उन्हें इस बात पर आपत्ति है कि बच्चों को पढ़ना चाहिए, आंदोलन में उनका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो फिर रामदेव यह भी बता दें कि क्या देश के अधिकतर सरकारी स्कूल इस हाल में हैं कि वहां बच्चे बिना किसी दिक्कत के पढ़ सकें। बच्चों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलीं, तभी तो कई जगहों पर उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। बच्चों की पहल और संघर्ष देखकर ही अभिजित दिपके ने स्कूल ठीक करो अभियान शुरु किया तो अब राजस्थान सरकार ने उसमें भी चालाकी दिखाई। सरकारी स्कूलों की खस्ता हालत दिखाते हुए छात्र–विरोध की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए, तो अब शिक्षा विभाग ने स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश और फोटो–वीडियोग्राफी को लेकर नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं कि प्रधानाचार्य या संस्था प्रधान की पूर्व अनुमति के बिना किसी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। आदेश के मुताबिक, स्कूलों में प्रवेश के दौरान विजिटर रजिस्टर में एंट्री भी करनी होगी। क्लासरूम, लैब, लाइब्रेरी, हॉस्टल, टॉयलेट समेत अन्य जगह भी अधिकृत शिक्षक और अधिकारी के साथ ही प्रवेश किया जा सकेगा।

आदेश में छात्रों और शिक्षकों की फोटो, वीडियो, इंटरव्यू, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग के लिए भी प्रिंसिपल की पूर्व लिखित अनुमति जरूरी की गई है। जैसे किसी विदेशी मेहमान के आने पर झुग्गी–झोपड़ियों और राजधानी की गंदगी को सफेद, चमकीले पर्दे से मोदी सरकार ढंकती आई है, वही उपाय राजस्थान ने दूसरे तरीके से आजमाया कि किसी को स्कूल की दुर्दशा देखने ही न दो। हालांकि सीजेपी के आशुतोष रांका ने इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा है कि उनके खिलाफ अग्रिम एफआईआर के निर्देश दे दिए जाएं, क्योंकि वे तो स्कूल ठीक करने की मुहिम चलाएंगे ही। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आदेश का विरोध करते हुए इसे श्तानाशाही आदेशश बताया और तत्काल वापस लेने की मांग की है। आदेश वापस नहीं हुआ तो कांग्रेस सविनय अवज्ञा आंदोलन करेगी। राजस्थान सरकार का यह फरमान ज्यादा टिक नहीं पाएगा, यह तो नजर आ रहा है। वहीं इस समय पूरे देश से शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर है कि लखनऊ में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने हाईवे पर धरना देते हुए शिक्षकों की कमी पूरी करने की मांग की है। यानी एक के बाद अलग–अलग जगहों पर छात्र अपने हक के लिए सड़क पर उतर आए हैं। इन बच्चों और नौजवानों की हिम्मत देखते हुए इसी तरह सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने की मुहिम छिड़ जाए तो आश्चर्य नहीं।

दिमागी बनो, अंधभक्त नहीं, स्कूल अभियान की जीत पर प्रकाश राज ने सीजेपी का किया समर्थन, दीपके ने मनाया जश्न

> दिमागी बनो.. अंधभक्त नहीं (सवाल पूछो, गुलाम मत बनो। अपने दिमाग का इस्तेमाल करो, अंधविश्वास मत करो)। बस पूछ रहा हूं। स्कूल ठीक करो। एक्टर का दिमागी बनो कहना, पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल के कुछ समय बाद आया।

अभिनेता प्रकाश राज ने एक बार फिर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) मूवमेंट को अपना समर्थन दिया है। महाराष्ट्र के एक सरकारी स्कूल की हालत को लेकर हुए हालिया विरोध–प्रदर्शन के बाद स्कूल के प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया, जिस पर अभिनेता ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपके के अनुसार, सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल, जो नशे की हालत में काम पर आते थे, उन्हें विरोध–प्रदर्शन के बाद सस्पेंड कर दिया गया। दीपके ने लिखा, शहिंगोली जिले के लिंबाला गांव वालों के लिए पहली बड़ी जीत। शराबी प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया है। मैं यह जीत अब्दुल और उनके पिता को समर्पित करना चाहता हूं। जैसा कि अब्दुल ने कल कहा था– अब रुकना नहीं है, स्कूल ठीक करके ही रहेंगे। वह स्कूल प्रिंसिपल को सस्पेंड कराने के लिए ग्रामीणों के साथ विरोध–प्रदर्शन में शामिल हुए थे। प्रकाश राज ने वीडियो शेयर किया और इस घटनाक्रम पर खुशी जताते हुए एक नोट लिखा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से हाल ही में इस्तेमाल किए गए शब्द दिमागी नक्सल पर तंज कसा गया। अभिनेता ने लिखा धन्यवाद कॉकरोचेस। यह सिस्टम से जवाबदेही की मांग करने वाले नागरिकों की ताकत है। दिमागी बनो.. अंधभक्त नहीं (सवाल पूछो, गुलाम मत बनो। अपने दिमाग का इस्तेमाल करो, अंधविश्वास मत करो)। बस पूछ रहा हूं। स्कूल ठीक करो। एक्टर का दिमागी बनो कहना, पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल के कुछ समय बाद आया। तब से यह वाक्यांश सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है और कई मशहूर हस्तियों ने अलग–अलग संदर्भों में इसका इस्तेमाल किया है। सीजेपी का 'स्कूल ठीक करो' अभियान महाराष्ट्र में अभिजीत दीपके के पैतृक गांव में शुरू किया गया था। यह आंदोलन सरकारी स्कूलों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है और बेहतर सुविधाओं और जवाबदेही की मांग करता है। दीपके ने पहले सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के बारे में चिंता जताई थी। हिंगोली में हालिया विरोध प्रदर्शन ने तब ध्यान खींचा जब स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की ग्रामीणों की मांग पर ध्यान दिया गया

इमरान हाशमी संग 'गनमास्टर जी9' में दिखेंगे अभिषेक सिंह, बेखौफ पुलिस अफसर के रोल में आएंगे नजर

पूर्व आईपीएस अधिकारी अभिषेक सिंह अब मनोरंजन की दुनिया में अपने अभिनय का नया रंग दिखाने के लिए तैयार हैं। ऐतिहासिक ड्रामा '1946 डायरेक्ट एक्शन डे' से एक्टिंग डेब्यू करने के बाद उन्होंने अपनी स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों का ध्यान खींचा। अब वह निर्देशक आदित्य दत्त की आगामी एक्शन–रोमांस ड्रामा फिल्म 'गनमास्टर जी9' में नजर आएंगे। 'गनमास्टर जी9' में अभिषेक सिंह एक निडर और बेखौफ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि ज्यादातर कलाकार कैमरे के सामने अथॉरिटी का किरदार निभाते हैं, लेकिन उन्हें असल जिंदगी में ^ी अधिकारी के तौर पर इस जिम्मेदारी को जीने का अनुभव मिला है। उनके मुताबिक, प्रशासनिक सेवा के दौरान सीखा अनुशासन, दबाव में फैसले लेने की क्षमता और जिम्मेदारी का अनुभव इस किरदार को निभाने में काफी मददगार रहा। अभिषेक सिंह ने कहा, "ज्यादातर एक्टर्स कैमरे के सामने अथॉरिटी का किरदार निभाने आते हैं, लेकिन मुझे असल जिंदगी में पहले इसे जीने का मौका मिला है। आईएएस अफसर के तौर पर जमीन पर काम करने की वजह से मैं जिम्मेदारी संभालने के साथ आने वाले दबाव, अनुशासन और पल भर में फैसले लेने की अहमियत को समझता हूं।" उन्होंने आगे कहा, "गनमास्टर जी9 में अपने उस असली अनुभव को किरदार में लाने से उसमें एक रॉ और ऑथेंटिक टच आया। पब्लिक सर्विस में गवर्नेंस ने मुझे अपने फैसलों पर भरोसा करना सिखाया, वहीं सिनेमा में इस किरदार ने मुझे उसी सोच को हाई–ऑक्टेन एक्शन के जरिए दिखाने का मौका दिया। एक बेखौफ पुलिस अफसर का किरदार निभाना सिर्फ वर्दी पहनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह मेरी असली जिंदगी की ड्यूटी और रील लाइफ की इंटेंसिटी को जोड़ने जैसा था।" फिल्म में इमरान हाशमी, जेनेलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक्शन, रोमांस और इंटेंस ड्रामा से भरपूर इस फिल्म को लेकर पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। 'गनमास्टर जी9' 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिषेक सिंह के लिए यह फिल्म एक्टिंग करियर का एक और अहम पड़ाव है, जहां वह अपने अब तक के अनुभव से बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आएंगे।

'40 साल में ऐसा सफर नहीं किया', राजपाल यादव की नई फिल्म में दिखेगा बिल्कुल अलग अंदाज, एक्टर ने दी ये जानकारी

राजपाल यादव का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म में दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि फिल्म उनके लिए एक खास सफर जैसी है, जिसे उन्होंने पिछले कई दशकों में नहीं किया है। राजपाल यादव ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' जिंदगी पर आधारित 12 चौप्टर्स की एक कहानी है। इस प्रोजेक्ट पर उनकी टीम काफी लंबे समय से काम कर रही है। फिल्म पर काम कोविड–19 महामारी से पहले ही शुरू हो गया था। राजपाल यादव ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का प्रपोजल मिला तो टीम ने इसे भारतीय संस्कृति से जोड़ने का फैसला किया। उन्होंने साफ कहा कि फिल्म में किसी दूसरी फिल्म के सीन की कॉपी नहीं होगी। एक्टर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से अपनी कहानी और भारतीय संस्कृति पर आधारित होगा। इसका सेट मुंबई के गोरेगांव में तैयार किया जाएगा, लेकिन राजपाल यादव चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड में भी हो। राजपाल यादव के मुताबिक, फिल्म के 12 चौप्टर्स में दर्शकों को उनके करियर का एक ऐसा सफर देखने को मिलेगा, जो उन्होंने पिछले 40 साल में नहीं किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो राजपाल यादव को हाल ही में 'वेलकम टू द जंगल' में देखा गया था। इसके अलावा उनके पास 'मालामाल वीकली 2' भी है। अब 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' में उनका नया अंदाज देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं।

'पॉ पेट्रोलः द डायनो मूवी' से 'द लैंड बिफोर टाइम' तक, बच्चों के साथ जरूर देखें ये 5 शानदार डायनासोर फिल्में

डायनासोर और फैमिली मूवी नाइट का साथ हमेशा से खास रहा है बड़े, प्यारे और स्क्रीन पर छा जाने वाले ये जीव मानो बड़े पर्दे के लिए ही बने हैं। पॉ पेट्रोलरू द डायनो मूवी के साथ पप्स अब प्रागैतिहासिक दुनिया में कदम रखने वाले हैं, तो चलिए एक नजर डालते हैं पाँच ऐसी डायनासोर फिल्मों पर जो पूरे परिवार के साथ देखने लायक हैं कुछ पुरानी पसंदीदा फिल्मों समेत।

पॉ पेट्रोलः द डायनो मूवी

इस लिस्ट में सबसे नई और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्म। जब पप्स का जहाज एक अनजान टापू पर क्रैश हो जाता है, जहाँ डायनासोर आज भी मौजूद हैं, तो वे रेक्स से मिलते हैं एक साथी रेस्क्यू पप जो सालों से इस टापू पर फँसा हुआ है और मिलकर टापू को फटते ज्वालामुखी और लालची मेयर हमडिंगर से बचाने निकल पड़ते हैं। इसमें वही टीमवर्क और दिल छू लेने वाली भावनाएं मिलेंगी जिनकी वजह से पॉ पेट्रोल हर घर का चहेता बना है, बस इस बार डायनासोर भी साथ हैं।

द गुड डायनासोर

पिक्सर की यह भावुक फिल्म एक दिलचस्प सवाल पर आधारित है क्या हो अगर वह उल्कापिंड धरती से टकराता ही नहीं, और डायनासोर कभी विलुप्त ही नहीं होते? कहानी है आर्लो की, एक युवा एपेटोसॉरस, जो एक जंगली इंसानी बच्चे स्पॉट से दोस्ती करता है, और दोनों साथ मिलकर घर वापसी का सफर तय करते हैं। यह इस लिस्ट की बाकी फिल्मों के मुकाबले थोड़ी शांत जरूर है, लेकिन साहस और अपनों को खोजने की इसकी भावना इसे पिक्सर की सबसे भावुक फिल्मों में से एक बनाती है।

आइस एजः डॉन ऑफ द डायनासोर्स

आइस एज फ्रैंचाइजी की तीसरी कड़ी में मैनी, सिड, डिएगो और उनका गैंग धरती के नीचे एक छिपी हुई, प्रागैतिहासिक दुनिया में पहुँच जाता है, जहाँ डायनासोरों का राज है और यहीं मुलाकात होती है यादगार और सनकी डायनासोर–शिकारी बक से। यही वह फिल्म है जिसने फ्रैंचाइजी की मस्ती और कॉमेडी को एक नए स्तर पर पहुँचाया, और यही वजह है कि यह सीरीज की सबसे बार–बार देखी जाने वाली फिल्मों में गिनी जाती है।

धुरंधर के बाद महाकाली में दर्शकों को हैरान करने को तैयार अक्षय खन्ना, सामने आया पहला लुक

हनु–मान' की जबरदस्त सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 24 अगस्त को 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में उनका दिलचस्प अवतार पेश करने वाले हैं। क्यों चर्चा में आए अक्षय खन्ना? अपकमिंग फिल्म 'महाकाली' में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य का किरदार निभाने वाले हैं। माना जा रहा है कि अक्षय खन्ना इस बार अपने ट्रांसफॉर्मेशन को एक नए स्तर पर ले जाएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। वैसे शुक्राचार्य के रूप में उनका फर्स्ट लुक पहले ही काफी चर्चा में है। अब उनकी पहली झलक देखने के लिए दर्शक उत्सुक हैं। पुराणों के अनुसार असुरों के गुरु के रूप में पूजनीय शुक्राचार्य एक बेहद अहम पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना की तरफ से निभाए जा रहे इस किरदार में उनकी गंभीरता देखने को मिल सकती है। वहीं, प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इस किरदार को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप भव्य स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगाता है। 'हनु–मान' के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएंगे। 'हनु–मान' ने न सिर्फ फिल्ममेकर की बड़े पैमाने पर भारतीय कहानियां प्रस्तुत करने की क्षमता को स्थापित किया, बल्कि विजुअल डिटेलिंग और वर्ल्ड–बिल्डिंग के लिए भी एक नया मानक तय किया है। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ दर्शकों को 'महाकाली' की दुनिया की पहली झलक मिलने वाली है। इस रिवील में अभिनेता के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ–साथ उस विशाल स्तर और बारीक विजुअल डिटेलिंग की झलक मिलने की उम्मीद है, जो प्रशांत वर्मा की फिल्ममेकिंग की खास पहचान बन चुकी है। क्या इतिहास रचेगी टॉक्सिक? दुनियाभर में इतनी स्क्रीन्स पर होगी रिलीज, जानें कब शुरू होगी एडवांस बुकिंग? आरके दुग्गल की तरफ से प्रस्तुत और रिवाज रमेश दुग्गल के प्रोडक्शन में आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही फिल्म 'महाकाली' के क्रिएटर प्रशांत वर्मा हैं। पूजा अपर्णा कोल्लुरु इसका निर्देशन कर रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ भूमि शेट्टी, रोहित सराफ और कई अन्य कलाकार नजर आने वाले हैं।

लंच में सिंपल नहीं ट्राई करें कश्मीरी राजमा, चावल-रोटी के साथ स्वादिष्ट लगती है ये रेसिपी

आप लंच में कुछ टेस्टी और हेल्दी बनाकर खाना चाहते हैं तो ट्राई करें कश्मीर स्पेशल कश्मीरी राजमा की ये टेस्टी रेसिपी। ये रेसिपी टेस्टी होने के साथ बनाने में भी बेहद आसान है। आप इस रेसिपी को लंच में चावल और रोटी दोनों के साथ परोस सकते हैं। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कश्मीरी राजमा को बनाने का क्या है आसान और टेस्टी तरीका।

कश्मीरी राजमा बनाने के लिए सामग्री–

–1 कप राजमा
–1 चम्मच सौंफ पाउडर
–1 चम्मच सूखा अदरक पाउडर
–2–3 लौंग
–1 इंच दालचीनी का टुकड़ा
–4 बड़े चम्मच सरसों का तेल
–1 चम्मच जीरा
–(चम्मच हींग
–) कप प्याज (कटा हुआ)
–2 चम्मच अदरक का पेस्ट
–1 कप दही (1 चम्मच मैदा के साथ फेंटा हुआ)
–2 चम्मच धनिया पाउडर
–) चम्मच हल्दी पाउडर
–2 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
–नमक स्वादानुसार
–) चम्मच गरम मसाला पाउडर
–2 बड़े चम्मच ताजा धनिया (कटा हुआ)

कश्मीरी राजमा बनाने का तरीका–

कश्मीरी राजमा बनाने के लिए सबसे पहले राजमा को धोकर उसे पर्याप्त पानी में 6–8 घंटे के लिए भिगोने के लिए रख दें। इसके बाद राजमा का पानी निकालकर उसे प्रेशर कुकर में 3 कप पानी, 2 चम्मच नमक, सौंफ बीज पाउडर, सोंठ पाउडर, लौंग और दालचीनी के साथ उबलने के लिए रख दें। अब प्रेशर कुकर को आंच से उतारकर एक तरफ रख दें। अब एक पैन में सरसों का तेल गर्म करके इसमें जीरा और हींग डालकर कुछ सेकेंड चटकने दें। इसके बाद पैन में प्याज डालकर उसे हल्का भूरा होने तक पकाएं। अब पैन में अदरक का पेस्ट और प्याज ब्राउन होने तक भूनें। अब इसमें दही डालकर 2–3 मिनट तक पकाएं। अब इस स्टेज पर पैन में धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालकर तब तक भूनें जब तक पैन के किनारों से तेल अलग न होने लगे। अब पैन में पका हुआ राजमा उसके पानी के साथ डालें जिसमें उसे उबाला गया था। राजमा के कुछ टुकड़ों को करछी के पिछले भाग से मैश कर लें। पैन में स्वादानुसार नमक डालकर धीमी आंच पर 10–12 मिनट तक पकाएं। आखिर में गरम मसाला और ताजा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। आपका टेस्टी कश्मीरी राजमा बनकर तैयार है। आप इसे चावल या केसर चावल के साथ गरमागरम सर्व कर सकते हैं।

पीरियड में होने वाले दर्द ने छीन ली है नींद, तो जरूर फश्वलो कर ये टिप्स, पेन में मिलेगा आराम

पीरियड्स के दिनों में महिलाओं को तेज दर्द से गुजरना पड़ता है। इसलिए उन्हें अपना खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। वैसे तो पीरियड्स के सारे दिन मुश्किलों से भरे होते हैं। लेकिन कुछ महिलाओं को अधिक दर्द होता है। ऐसे में अगर आपको भी पीरियड्स में तेज दर्द होता है, तो इसे अनदेखा न करें। क्योंकि यह शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस या फिर सेहत संबं धी कंडीशन का संकेत हो सकता है। हालांकि पीरियड्स के दर्द को दूर करने के लिए महिलाएं घरेलू नुस्खे आजमाती हैं। लेकिन अगर आप हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा बताए गए कुछ टिप्स को फॉलो करती हैं तो आपको कम दर्द महसूस होगा।

केसर और किशमिश का करें सेवन

पीरियड्स के दिनों में अगर आपको दर्द महसूस न हो, इसके लिए पीरियड्स आने के करीब 1 महीने पहले रोजाना सुबह भीगे हुए किशमिश और केसर के पानी का सेवन करना चाहिए। यह दोनों चीजें पीरियड पेन से निजात दिलाने में सहायक होती हैं। बता दें कि किशमिश आयरन की कमी को पूरा करता है और काली किशमिश ज्यादा असरदार होती है। इसके सेवन से आप पीरियड के तेज दर्द से बच सकती हैं।

पीरियड हेल्थ के लिए स्प्राउट्स

वहीं कई बार शरीर में जरूरी न्यूट्रिशन्स की कमी होने पर भी आपको पीरियड के दर्द से गुजरना पड़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो आपको अपनी डाइट में अंकुरित और पकी हुई फलियों को शामिल करना चाहिए। इससे आपको ऐंठन और दर्द से राहत मिलेगी।

अरबी और गाजर खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, पीरियड्स के पेन से बचने के लिए रूट वेजिटेबल्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। रूट वेजिटेबल्स में आप अरबी, सूरन और चुकंदर का सेवन कर सकती हैं। इनमें फाइबर और पॉलीफेनोल ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इन्हें आप सप्ताह में दो दिन खा सकती हैं।

एनीमिया रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद है ये 3 योगासन, आयरन की कमी होगी दूर मिलेंगे ये फायदे

सुस्त लाइफस्टाइल और खानपान में गड़बड़ी की वजह से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जो आगे चलकर सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बनने लगती है। ऐसी ही एक समस्या का नाम है एनीमिया। दरअसल, शरीर में खून की कमी को एनीमिया कहते हैं। यह वह स्थिति है, जिसमें शरीर के ऊतकों में पर्याप्त ऑक्सीजन ले जाने वाली लाल रक्त कोशिकाओं की कमी होने लगती है। एनीमिया होने पर व्यक्ति को थकान, सिर दर्द, बदन दर्द, चक्कर आने जैसे लक्षण महसूस होने लगते हैं। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पौष्टिक आहार के साथ कुछ सप्लीमेंट दवाओं और योग की मदद ली जा सकती है। आइए जानते हैं आयरन की कमी होने पर कौन से 3 योगासन आपकी मदद कर सकते हैं।

अनुलोम–विलोम प्राणायाम–

अनुलोम–विलोम प्राणायाम करने से शरीर में ऑक्सीजन लेवल बढ़ने के साथ मांसपेशियों में लचीलापन आता है और फेफड़े मजबूत होते हैं। यह प्राणायाम तनाव और चिंता कम करके नाड़ियों को खोलकर शरीर में रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के साथ लाल रक्त कोशिकाओं के बनने की प्रक्रिया को भी बेहतर करता है। अनुलोम–विलोम प्राणायाम करने से एनीमिया रोग को भी तेजी से दूर किया जा सकता है।

कैसे करें अनुलोम–विलोम प्राणायाम–

अनुलोम–विलोम प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले योग मैट पर पद्मासन या सुखासन में बैठकर अपनी रीढ़ और गर्दन को सीधा रखें और आंखें बंद कर लें। अब दिमाग में आने वाले हर तरह के विचारों को अपने दिमाग से हटा लें और कलाइयों को बाहर घुटनों पर टिकाकर शुरुआत करें। सबसे पहले अपने दाहिने हाथ की मध्यमा और तर्जनी को हथेली की ओर मोड़ें। अंगूठे को अपने दाहिने नथुने पर और अनामिका को बाएं नथुने पर रखें। दाहिने नथुने को अंगूठे से बंद करें और बाएं नथुने से धीरे–धीरे गहराई से श्वास लें। फेफड़े में श्वास भरने तक खींचते रहें। ऐसा करते हुए श्वास की गति पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना अंगूठा छोड़ें और अनामिका से बाएं नथुने को बंद करें।दाहिने नथुने से धीरे–धीरे सांस छोड़ें। अब इसे उल्टा करें, इस बार दाएं नथुने से सांस लें और बाएं से सांस छोड़ें।

कपालभाति प्राणायाम–

कपालभाति प्राणायाम तेजी से पेट की चर्बी कम करके मोटापे से होने वाले रोगों का खतरा भी कम करता है।इसके अलावा कपालभाति रक्त से जुड़ी समस्याओं को भी तेजी से दूर करके एनीमिया रोगियों को फायदा पहुंचाता है।

कैसे करें कपालभाति–

कपालभाति करने के लिए सबसे पहले वज्रासन या पद्मासन में बैठकर अपने दोनों हाथों से चित्त मुद्रा बनाएं। अब एक गहरी सांस भीतर की ओर खींचते हुए झटके से सांस छोड़ते हुए पेट को अंदर की ओर खींचें। अगर आप कपालभाति की शुरुआत कर रहे हैं, तो 35 से शुरू करते हुए धीरे–धीरे इसे बढ़ाते जाएं।

सूर्यभेद प्राणायाम–

सूर्यभेद प्राणायाम को करने से शरीर में ऊर्जा बढ़ने के साथ रक्त से जुड़े विकार तेजी से कम होते हैं। सूर्यभेद प्राणायाम शरीर में लाल रंग कोशिकाओं के निर्माण में मदद करके कफ, दमा, खांसी, साइनस, हृदय, पाइल्स जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

कैसे करें सूर्यभेदी प्राणायाम–

सूर्यभेदी प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले पद्मासन या सुखासन में बैठकर अपनी कमर, गर्दन, पीठ को बिल्कुल सीधा रखते हुए बाएं हाथ की उंगलियों को बाएं पैर पर ज्ञान मुद्रा में रखते हुए दाएं हाथ की दो उंगलियों को बाएं नासिका छिद्र को बंद कर दें। अब दाईं नासिका छिद्र से सांस लेते हुए दोनों हाथ की उंगलियों से दाईं नासिका को बंद करके क्षमतानुसार सांस रोकें। इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराएं।

पति–पत्नी के रिश्ते में नॉर्मल नही हैं ये 6 बातें, होता है रिश्ता टूटने का खतरा

पति–पत्नी का रिश्ता केवल प्यार और विश्वास पर ही टिका रह सकता है। अगर इस रिश्ते में इस तरह की बातें आती हैं तो रिश्ते का टूटना तय है। रिश्ता अगर टूटता नहीं भी है तो ऐसी मैरिड लाइफ केवल नाममात्र की रह जाती है।

कम्यूनिकेशन की कमी

पति–पत्नी के रिश्ते में बातचीत की कमी अच्छे संकेत नहीं होते। अगर आप ऐसे रिश्ते में हैं जहां मन की बात करना भी मुश्किल है तो ये बिल्कुल भी नॉर्मल नही है। कम्यूनिकेशन की कमी रिश्ते में दूरी, गलतफहमी और नाराजगी की वजह होती है।

इमोशनल बेवकूफ बनाना

पति–पत्नी में से कोई भी एक अगर हमेशा आपको इमोशनल करके बात मनवाते हैं तो भी गलत संकेत है। एक तरह से धोखे देने जैसा है कि हर बार आपको रोने–धोने या फिर भावनात्मक रूप से कमजोर बनाकर अपनी बात मनवाई जाए। ये एक तरह से रिश्ते में सारी पावर अपने हाथ में लेने का बहुत ही चालाक तरीका है।

हद पार करने की कोशिश करना

पति–पत्नी का रिश्ता होने के बावजूद कुछ पर्सनल स्पेस का हक हर किसी को होता है। लेकिन अगर पार्टनर हर बार आपकी सेट बाउंड्रीज को पार करता है और पर्सनल स्पेस में घुसता है जैसे कि हर बार आपकी जानकारी के बिना मोबाइल, पर्स चेक करना। तो ये एक तरह का संकेत है कि पार्टनर को आप पर भरोसा नहीं और वो जासूसी करना चाहता है।

हर वक्त आलोचना करना

पार्टनर बात–बात पर आपकी आलोचना करता है और दूसरे से तुलना करता है। आपका मनोबल और ऐसी बातें करता है कि आत्मविश्वास को ठेस लगे। तो ये एक तरह के टॉक्सिक रिलेशनशिप की निशानी है। जो रिश्ते को पूरी तरह से खोखला बना देती है।

सपोर्ट की कमी

अगर पार्टनर के साथ रहकर भी आपको सपोर्ट की कमी महसूस हो रही है तो ये हेल्दी रिलेशनशिप नही है। क्योंकि पार्टनर के साथ रिश्ते में आपसी समझ और एक दूसरे का सपोर्ट जरूरी होता है।

अलसी से लेकर चिया सीड्स तक, जानें कैसे कर सकते हैं नुकसान

खानपान को लेकर जितना लोग जागरुक हो रहे हैं उतना ही ज्यादा बीमारियां बढ़ रही हैं। इसका कारण है हेल्दी फूड्स को भी गलत तरीके से खाना। जिसकी वजह से उनके फायदे कम और नुकसान ज्यादा मिल रहे हैं। अक्सर हेल्थ इनफ्लूएंसर, डायटीशियन डाइट में चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, तिल, सनफ्लावर बीज को खाने की सलाह देते हैं। वहीं ढेर सारी रेसिपी भी मिल जाती है जिसमे इन सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनकी गलत मात्रा सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

न्यूट्रिशन से भरपूर होते हैं सीड्स

वैसे तो चिया सीड्स हो या फिर अलसी, ये सारे सीड्स काफी न्यूट्रिशियस होते हैं। इनमे प्रोटीन से लेकर ओमेगा 3 और 6 जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं। जो वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए फायदेमंद है। पोषण से भरपूर इन सीड्स की क्वांटिटी पर कंट्रोल करना जरूरी है।

फ्लैक्स सीड्स खाने के नुकसान

अलसी के बीजों को हार्मोनल इंबैलेंस होने पर खाने की सलाह दी जाती है। इसीलिए महिलाओं को अक्सर इसे खाने के लिए बोला जाता है। अलसी पीरियड्स साइकिल को मेंटेन करने और रिप्रोडक्टिव सिस्टम को सही काम करने में हेल्प करती है। उसके अलावा भी फ्लैक्स सीड्स खाने से कैंसर, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्या नहीं होती। लेकिन अलसी की ज्यादी मात्रा डाइजेशन को बिगाड़ देती है क्योंकि इसमे फाइबर बहुत ज्यादा होता है जो आसानी से डाइजेस्ट होना मुश्किल होता है।

अलसी में साइनोजेनिक ग्लाइकोसाइड्स थोड़ी मात्रा में होता है जो मेटाबॉलिज्म के साथ मिलकर साइनाइड रिलीज करते हैं। वहीं अलसी की वजह से खून का थक्का बनने का प्रोसेस ध ीमा हो जाता है। इसलिए जिनका खून पतला है या फिर खून पतला करने की दवा ले रहे हैं उन्हें अलसी खाने से बचना चाहिए।

सनफ्लावर सीड्स को खाने के नुकसान

सनफ्लावर सीड्स को खाने से पहले किसी डायटीशियन की सलाह पर ही तय मात्रा में खाएं।

–सनफ्लावर सीड्स को खाने से डायबिटीज के मरीजों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा होने लगती है।

–वहीं ये सीड्स बॉडी में सूजन पैदा करते हैं।

–सनफ्लावर सीड्स वजन बढ़ाने का भी काम करता है।

–वहीं ब्रेस्टफीड कराने वाली मांओं को सनफ्लावर सीड्स बहुत थोड़ी मात्रा में या बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

–अस्थमा या एलर्जी होने पर सनफ्लावर सीड्स बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

–सनफ्लावर सीड्स से बॉडी में फास्फोरस बढ़ जाता है जो किडनी को नुकसान पहुंचाता है।

चिया सीड्स खाने के नुकसान

हेल्दी रहने और स्लिम रहने के लिए चिया सीड्स को खाने की सलाह बहुत सारे हेल्थ इंफ्लूएंसर देते हैं। लेकिन इसकी बहुत ही सीमित मात्रा ही खानी चाहिए। क्योंकि न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि इसमे एंटी न्यूट्रिएंट भी होते हैं। जो टूटकर बॉडी में हार्मफुल कंपाउंड बनाने लगते हैं। कई बार चिया सीड्स का गाढ़ा जेली जैसा टेक्सचर कब्ज की वजह बनने लगता है।

सफेद तिल खाने के नुकसान

सफेद तिल में ओमेगा 6 काफी हाई अमाउंट में होता है लेकिन इसे उन लोगों को नहीं खाना चाहिए जो स्किन एलर्जी या फिर किसी तरह की फूड एलर्जी से परेशान है।

संक्षिप्त

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने वाचियर-लाग्रेव को हराया, संयुक्त बढ़त हासिल की

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर–लाग्रेव को हराकर अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। इस जीत से प्रज्ञानंद ने संभावित आठ में से पांच अंक हासिल कर लिए हैं और भारतीय खिलाड़ी ने इस साल के अंत में होने वाले ग्रैंड फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रज्ञानंद ने केवल 28 चाल में जीत हासिल की। जिस दिन वेस्ली ने अपने हमवतन सेवियन सैमुअल्स के साथ एक और ड्रॉ खेला, उसी दिन जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट को हराया और लगातार तीसरा मैच जीतकर 4.5 अंकों के साथ शीर्ष खिलाड़ियों के करीब पहुंच गए। दिन के एक अन्य महत्वपूर्ण मैच में जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फैबियानो कारुआना को हराकर सिंदारोव के साथ तीसरे स्थान पर जगह बनाई। दिन के एक अन्य रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड के अनीश गिरी ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ ड्रॉ खेला।

शेयर बाजार में बिकवाली से सेंसेक्स 325 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला, रुपया भी कमजोर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बुधवार को भी गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 76.60 अंक की गिरावट के साथ 24,078.30 पर आ गया। सेंसेक्स में 0.42 फीसदी की कमी देखने को मिली। निफ्टी में भी 0.32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच चिंता का माहौल पैदा किया। दूसरी ओर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी कमजोर हुआ। रुपया एक पैसा गिरकर 95.75 के अस्थायी स्तर पर बंद हुआ। यह आंकड़े 19 अगस्त 2026 को दोपहर 03रू37 बजे बाजार बंद होने के बाद के हैं। बाजार बंद होने के समय तक यह स्थिति बनी रही। आज 19 अगस्त 2026 को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 325.78 अंक नीचे आया। यह 76,909.68 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में कुल 0.42 फीसदी की कमी दर्ज की गई। यह गिरावट बाजार के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। निफ्टी भी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। निफ्टी में 0.32 फीसदी की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार में दोनों प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा। आज भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी दर्ज की। रुपया एक पैसा गिरकर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसका अस्थायी बंद भाव 95.75 रुपये रहा। रुपये की यह गिरावट बाजार के लिए एक और चिंता का विषय रही। यह दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक कारकों का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा है। निवेशकों को रुपये की चाल पर भी नजर रखनी होगी।

भारत के यूरिया क्षेत्र में 90,000 करोड़ रुपये का निवेश, आयात पर निर्भरता होगी कम

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कृषि क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव दिख सकता है। कृषि में इस्तेमाल होने वाले यूरिया से जुड़े सेक्टर में भारत निवेश के एक नए दौर के लिए तैयार है। इक्रा ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, उर्वरक कंपनियां अगले छह महीनों में 80,000 से 90,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय कर सकती है है। ICRA ने कहा है कि निवेश की नई नीति क्षेत्र में क्षमता वृद्धि को बढ़ावा देगी। इससे 2030–31 तक यूरिया आयात पर देश की निर्भरता कम हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यूरिया–2026 के लिए नई निवेश नीति के तहत आने वाले संयंत्रों को लगभग साढ़ तीन से चार वर्षों में चालू किए जाने की उम्मीद है। इन निवेशों से 2030–31 से घरेलू यूरिया आत्मनिर्भरता में काफी सुधार होगा। रेटिंग एजेंसी ने बताया कि भारत ने 2025–26 में अपनी यूरिया आवश्यकता का लगभग 27 फीसदी आयात किया था। घरेलू क्षमता 30.6 दस लाख टन प्रति वर्ष थी, जबकि मांग लगभग 39.9 दस लाख टन थी। नई नीति ने अधिसूचित प्राप्तियों को कम करके और वापसी सीमा को घटाकर परियोजना अर्थशास्त्र को सख्त कर दिया है। NIPU–2026 के तहत इक्विटी पर वापसी की सीमा 12–16 फीसदी तक सीमित कर दी गई है। यह पहले की छप्ल–2012 के तहत 12–20 फीसदी थी। प्ब्। के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और समूह प्रमुख गिरीशकुमार कदम ने कहा कि इसके बावजूद, ऋण कवरेज और वापसी मेट्रिक्स परियोजना के प्रस्तावकों के लिए आरामदायक रहने की उम्मीद है। ICRA का अनुमान है कि निचली और ऊपरी प्राप्तियां NIP–2012 की तुलना में एक मानक 1.27–डडज्च। इकाई के लिए EBITDA को 250–280 करोड़ रुपये तक कम कर सकती हैं। हालांकि, आठ साल की नीति अवधि में एक ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए संचयी ऋण सेवा कवरेज अनुपात 1.26 गुना रहने की उम्मीद है। कदम ने बताया कि परियोजना लागत को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण होगा। साथ ही, संयंत्रों को 95 फीसदी से अधिक क्षमता उपयोग पर लगातार संचालित करना भी परियोजना के प्रस्तावकों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह निवेश चक्र संबद्ध क्षेत्रों के लिए भी अवसर पैदा करेगा। प्रत्येक नया 1.27–डडज्च। यूरिया संयंत्र लगभग 2.2 दस लाख मानक घन मीटर प्रति दिन गैस मांग बढ़ाएगा। इससे लगभग 0.6 दस लाख टन एलएनजी खपत भी बढ़ेगी। गैस पारेषण कंपनियां, गैस व्यापारी और एलएनजी टर्मिनल अधिक गतिविधि देख सकते हैं। ईपीसी ठेकेदार और महत्वपूर्ण उपकरण निर्माता भी लाभान्वित होंगे।

श्रीलंका पर जीत से भारत की स्थिति सुधरी, कितना हुआ अंक प्रतिशत, अब क्या है फाइनल का समीकरण?

गॉल,एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत ने भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 की अंक तालिका में बड़ी राहत दी है। मुकाबले से पहले पांचवें स्थान पर मौजूद टीम इंडिया ने जीत के साथ अपने खाते में 12 अंक जोड़े और अब उसके कुल 64 अंक हो गए हैं। इसके साथ ही भारत का अंक प्रतिशत 48.15 से बढ़कर 53.33 प्रतिशत हो गया है। भारत ने इसी के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में श्रीलंका पर 1–0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका के सामने 372 रन का लक्ष्य रखा था। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया और 206 रन पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त भी हासिल कर ली है। गॉल टेस्ट में भारत की बल्लेबाजी की नींव देवदत्त पडिक्कल के शानदार 167 रन ने रखी। इसके बाद दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी योगदान दिया। गेंदबाजी में स्पिनरों ने श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा और टीम इंडिया ने मुकाबले को अपने नाम किया। गॉल टेस्ट के बाद भारत 10 मैचों में पांच जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके खाते में 64 अंक हैं और अंक प्रतिशत 53.33 प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया 77.78 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर मौजूद है। दक्षिण अफ्रीका 75 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और न्यूजीलैंड 72.22 अंक प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। बांग्लादेश 66.67 अंक प्रतिशत के साथ चौथे स्थान पर है। श्रीलंका को गॉल में हार का नुकसान हुआ है और उसका अंक प्रतिशत 41.67 से घटकर 33.33 प्रतिशत रह गया है। गॉल टेस्ट के बाद भारत के इस विश्व टेस्ट चौंपियनशिप चक्र में अब आठ मुकाबले बाकी हैं। इनमें श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट (कोलंबो में 23 अगस्त से), न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट (अवे) और ऑस्ट्रेलिया (घरेलू) के खिलाफ पांच टेस्ट शामिल हैं। भारत को ये सभी मुकाबले बेहद अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि टीम पहले ही चार मैच गंवा चुकी है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में फाइनल में पहुंचने के लिए कोई तय अंक प्रतिशत कटऑफ नहीं है। पिछले चक्रों के आंकड़ों को देखें तो 60 से 70 प्रतिशत के बीच का अंक प्रतिशत आमतौर पर टीमों को मजबूत स्थिति में रखता है, लेकिन अंतिम समीकरण अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर करता है। भारत की स्थिति पहले की तुलना में बेहतर जरूर हुई है, लेकिन फाइनल की राह अभी भी आसान नहीं है। मौजूदा 53.33 अंक प्रतिशत को मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए टीम इंडिया को बाकी आठ टेस्ट में कम से कम छह मैचों में जीत दर्ज करनी होंगी। अगर भारत अपने बाकी आठ टेस्ट में से सात में जीत दर्ज करता है और एक मैच हार जाता है, तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 68.52 प्रतिशत (148 अंक) हो जाएगा। वहीं, अगर भारत सात टेस्ट जीतता है और एक मैच ड्रॉ रहता है, तो उसका अंतिम अंक प्रतिशत 70.37 प्रतिशत (152 अंक) हो जाएगा। इस स्थिति में भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह लगभग सुरक्षित मानी जा सकती है। अगर भारत अपने बाकी आठ टेस्ट में से छह मैच जीतता है और 2 ड्रॉ कराता है, तो उसका अंक प्रतिशत 66.67 प्रतिशत (144 अंक) हो जाएगा। यह उसे फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की बेहद मजबूत स्थिति में रखेगा। वहीं, अगर भारत छह टेस्ट जीतता है और दो में हार जाता है, तो उसका अंक प्रतिशत 62.96 प्रतिशत (136 अंक) रह जाएगा। ऐसे में भारत की स्थिति काफी जोखिम भरी होगी और टीम क्वालिफिकेशन की दहलीज पर पहुंच जाएगी। अगर भारत अपने बाकी सभी आठ टेस्ट जीत लेता है, तो उसके कुल 160 अंक हो जाएंगे और टीम का अंक प्रतिशत 74.07 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। इस स्थिति में भारत अंक तालिका में बेहद मजबूत स्थिति में होगा और फाइनल में जगह लगभग पूरी तरह उसके नियंत्रण में होगी। इसलिए गॉल की जीत के बाद भारत की विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल की उम्मीदें निश्चित तौर पर जिंदा और मजबूत हुई हैं, लेकिन शुभमन गिल की टीम के लिए अब हर टेस्ट की अहमियत काफी बढ़ गई है। अगर भारत अपने बाकी आठ टेस्ट में से तीन मैच हार जाता है और पांच में जीत दर्ज करता है, तो उसके कुल 216 अंक में से 124 अंक होंगे और भारत का अंक प्रतिशत गिरकर 57.41 प्रतिशत रह जाएगा। ऐसे में डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में भारत की स्थिति बेहद कमजोर हो जाएगी और टीम लगभग बाहर मानी जाएगी, क्योंकि उसे पूरी तरह दूसरी टीमों के खराब प्रदर्शन पर निर्भर रहना पड़ेगा। 58 प्रतिशत से कम अंक प्रतिशत पर आमतौर पर शीर्ष दो में जगह बनाना मुश्किल होता है। ऐसे में भारत को ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों के अपने–अपने आगामी मुकाबलों में बड़े और अप्रत्याशित उलटफेर की उम्मीद करनी होगी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	टाई	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	9	7	2	0	0	84	77.78%
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	0	36	75.00%
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	0	52	72.22%
4	बांग्लादेश	5	3	1	1	0	40	66.67%
5	भारत	10	5	4	1	0	64	53.33%
6	श्रीलंका	5	1	2	2	0	20	33.33%
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	0	38	24.36%
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	0	16	22.22%
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	0	30	20.83%

पाकिस्तान के खिलाफ कैसा है जो रूट का रिकॉर्ड? जानें लीड्स टेस्ट से पहले क्या बोले इंग्लिश कप्तान

हेडिंग्ले,एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार से लीड्स में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इंग्लैंड जहां घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा, वहीं पाकिस्तान भी चुनौती पेश करने के इरादे से उतरेगा। इस सीरीज के साथ जो रूट एक बार फिर इंग्लैंड की कप्तानी संभाल रहे हैं, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी के साथ नेतृत्व क्षमता पर भी नजरें रहेंगी। 35 वर्षीय जो रूट मौजूदा समय के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रूट ने 2015 से 2024 के बीच पाकिस्तान के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों की 31 पारियों में 1,487 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो शतक और सात अर्धशतक निकले हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका सर्वोच्च स्कोर 262 रन है, जो उनके टेस्ट करियर का भी सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 53.10 रहा है। ऐसे में इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ रूट से एक बार फिर बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी के बावजूद रूट टीम के लिए बल्ले से अहम भूमिका निभाना चाहेंगे।

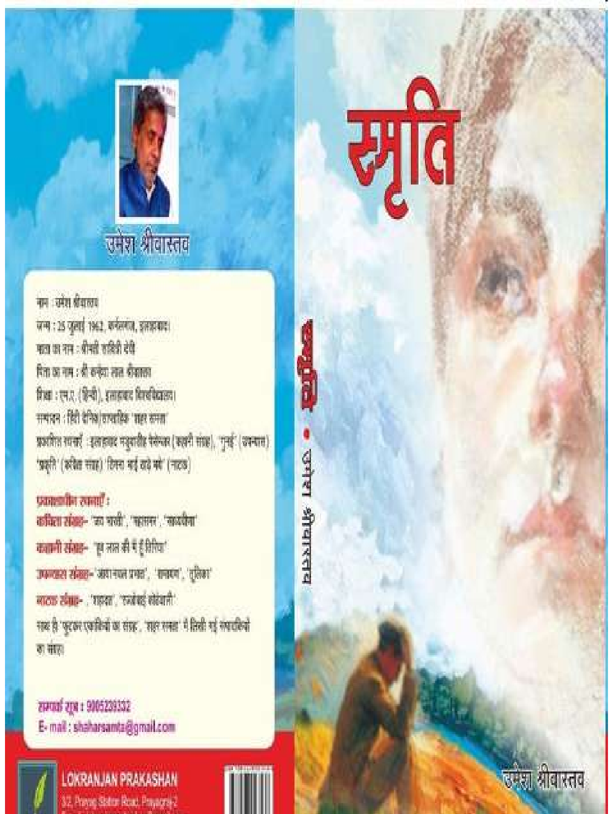

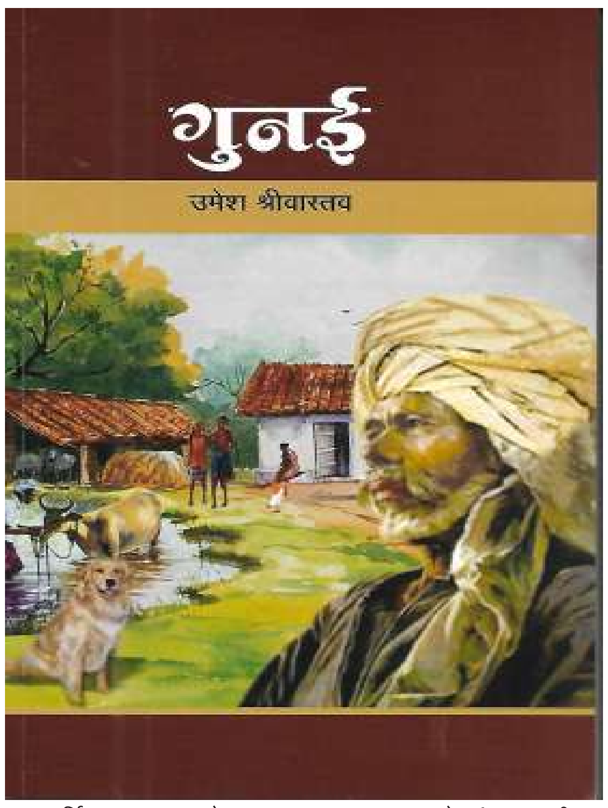

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

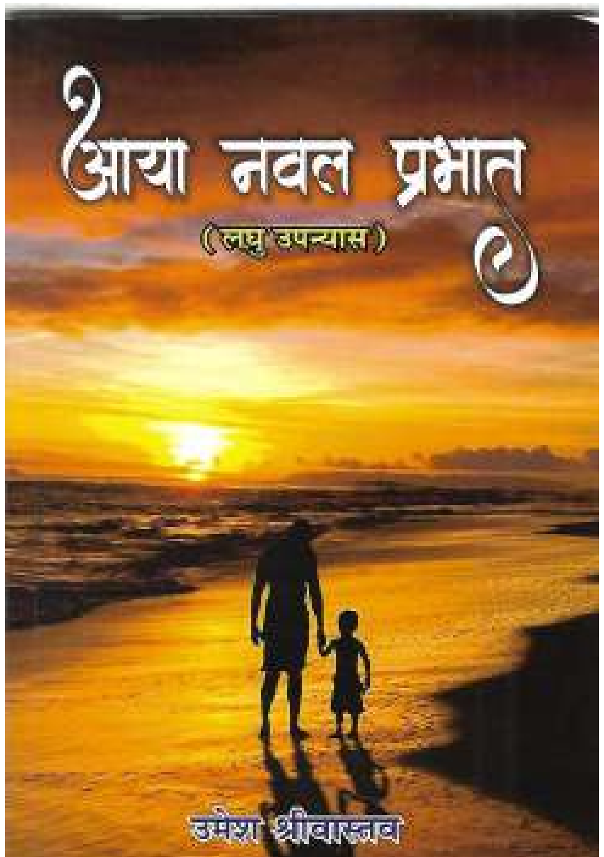

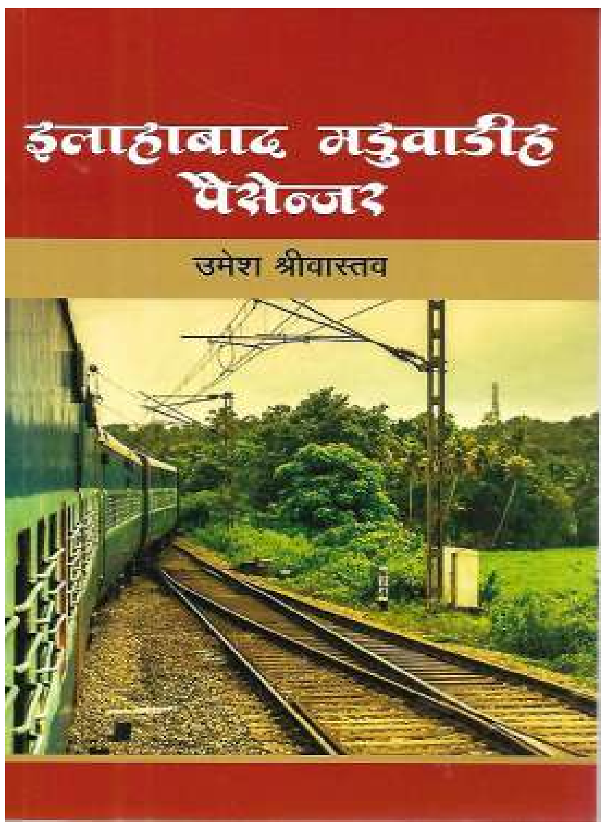

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

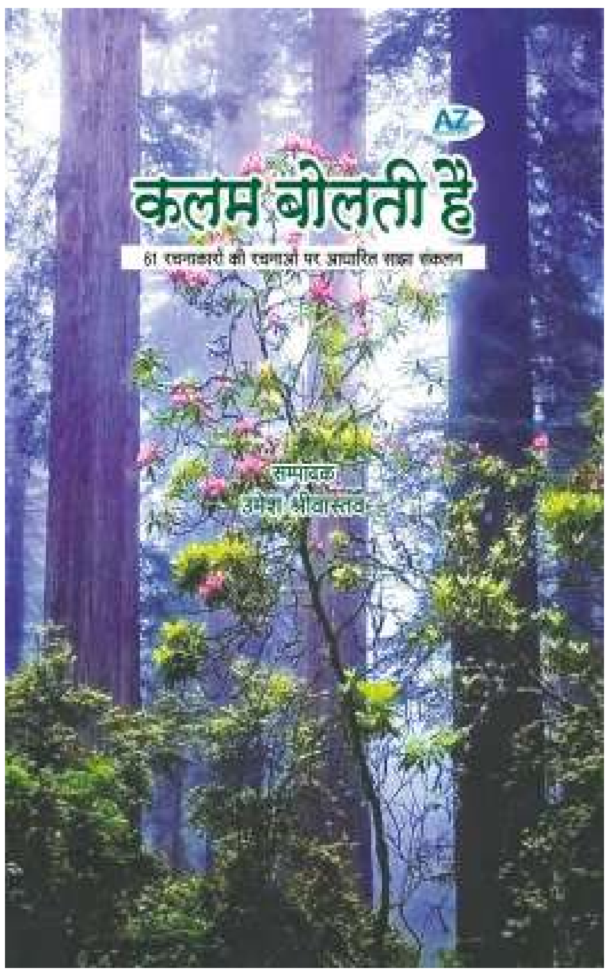

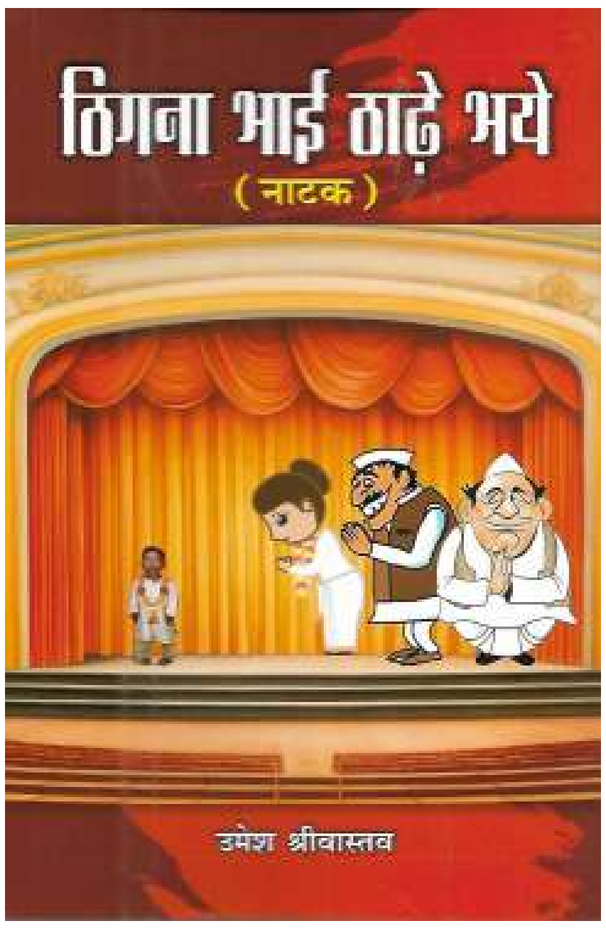

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

‘इस्राइल का अस्तित्व हो सकता है खत्म’: पश्चिम एशिया युद्ध पर रूस की चेतावनी, US-NATO के लिए कही ये बात

मॉस्को, एजेंसी। रूसी सशस्त्र बलों के मुख्य सैन्य–राजनीतिक विभाग के उप प्रमुख और अखमत विशेष बल इकाई के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आप्टी अलाउदिनोव

ने टीएएसएस को बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का नतीजा आखिरकार यह हो सकता है कि एक देश के तौर पर इस्राइल का अस्तित्व ही खत्म हो जाए। अलाउदिनोव ने कहा, श्हमें यह समझना होगा कि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ेगा। इस्राइल इस टकराव को और बढ़ाना चाहता है। अमेरिका तथा पूरे नाटो गुट को इसमें शामिल करना चाहता है। उन्होंने तर्क दिया कि टकराव का ऐसा बढ़ना आखिरकार इस्राइल के ही खिलाफ जा सकता है। एक देश के तौर पर उसका अस्तित्व खत्म हो सकता है। ये बातें ऐसे समय में कही गई हैं जब पश्चिम एशिया में तनाव और सैन्य टकराव बढ़ रहा है। जारी मुख्य टकरावों में से एक अमेरिका और ईरान के बीच का टकराव है। ट्रंप ने अपनी टीम को क्या निर्देश दिए?

इस बीच, अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बातचीत करने वाली टीम से कहा है कि वे ईरान के साथ बातचीत तब तक रोक दें जब तक तेहरान शसमझौता करने के लिए तैयार न हो जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान के साथ कूटनीतिक बातचीत को लेकर प्रशासन के रुख में कोई मतभेद नहीं है। अधिकारी ने क्या बताया? अधिकारी ने अल जजीरा को बताया कि अमेरिका ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत कर रहा था, लेकिन ट्रंप ने आगे बढ़ने से पहले इंतजार करने का फैसला किया है। अधिकारी ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत को लेकर अमेरिकी प्रशासन के नजरिए में कोई टकराव नहीं है। ट्रंप ने ईरान के किस रुख का खंडन किया? इससे पहले मंगलवार (स्थानीय समय) को, ट्रंप ने रणनीतिक जलमार्ग पर ईरान के रुख का खंडन किया था। उन्होंने श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा,श्इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ कोई बातचीत या चर्चा नहीं हो रही है। न ही ऐसी कोई योजना है। नौसैनिक नाकेबंदी पूरी तरह से लागू है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुला और चालू है। गालिबाफ ने क्या कहा?

ईरान की ओर से, संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने तेहरान के साथ बातचीत के मामले में वाशिंगटन के नजरिए की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका का मानना है कि ईरान पर आर्थिक या सैन्य दबाव बढ़ाने से तेहरान मौजूदा समझौते से हटकर रियायतें देने के लिए मजबूर हो जाएगा। उन्होंने अमेरिकी नेतृत्व से यह भी कहा कि वे हालात को सुलझाने के लिए अपने अधिकारियों पर निर्भर रहना बंद करें। इसके बजाय खुद उन समस्याओं की जिम्मेदारी लें जो उन्होंने पैदा की हैं। उनकी पोस्ट में लिखा था, श्अमेरिकियों को लगता है कि ईरान पर और ज्यादा दबाव डालने से उन्हें ऐसी रियायतें मिल जाएंगी, जो कभी समझौते का हिस्सा ही नहीं थीं। बेसेंट और हेगसेथ अपनी क्षमता से कहीं ज्यादा बड़ी चीजों में उलझे हुए हैं। उस श्जोकर गैंगश के किसी चमत्कार की उम्मीद करना छोड़िए और खुद उस गड़बड़ी को ठीक कीजिए जो आपने पैदा की है।

‘दो ईरानी राजनयिकों को निकालेगा फ्रांस’: फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने क्या कहा, क्यों बढ़ा दोनों देशों में तनाव?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन–नोएल बैरट ने मंगलवार को कहा कि फ्रांस आने वाले दिनों में दो ईरानी

राजनयिकों को देश से निष्कासित करेगा। उन्होंने कहा कि जुलाई में दो फ्रांसीसी राजनयिकों पर कथित हमले के बाद ईरान ने एक श्असहनीयश काम किया। फ्रांस के विदेश मंत्री ने क्या कहा? बैरट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव का सबसे ज्यादा नुकसान ईरानी लोगों को हो रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी लोग अपने देश में हो रहे दमन और सैन्य हमलों, दोनों के बीच फंसे हुए हैं। बैरट ने कहा, ईरानी लोग पश्चिम एशिया में इस बेहद तनावपूर्ण दौर के सबसे बड़े पीड़ित हैं। वे जनवरी 2026 के प्रदर्शनों के खूनी दमन और बमबारी के बीच फंसे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस ईरान के कलाकारों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का समर्थन करता है। उनके मुताबिक, इसी वजह से फ्रांसीसी राजनयिकों पर जानबूझकर हमला किया गया। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा, फ्रांस ईरानी लोगों के साथ खड़ा है और उनके कलाकारों, वैज्ञानिकों और शोध ाकर्ताओं का समर्थन करता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जंग के बीच ईरान–ओमान के बीच बातचीत, अमेरिका ने दी बमबारी की धमकी, ट्रंप किस बात पर भड़के?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य के संचालन को लेकर बातचीत कर रहे ओमान को बमबारी की धमकी दी है। ओमान ईरान के साथ जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का रास्ता निकालने में जुटा है, जबकि अमेरिका इस व्यवस्था के कुछ हिस्सों से नाराज है। ईरान भी अपनी शर्तें पूरी होने तक जलडमरूमध्य खोलने से इनकार कर रहा है। आखिर ओमान इस टकराव के बीच क्यों फंस गया? ट्रंप ओमान से आखिर क्यों नाराज हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी की मुख्य वजह ओमान और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत है। दो क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, ओमान ईरान के साथ जहाजों की आवाजाही को लेकर एक समझौते के करीब है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी

और अरब सागर के बीच समुद्री रास्ता है। दुनिया के लिए यह रास्ता इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से तेल, प्राकृतिक गैस और दूसरी जरूरी वस्तुओं की बड़ी मात्रा जहाजों के जरिए गुजरती है। अभी इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही पहले की तुलना में काफी कम है और जहाजों पर हमले का खतरा बना हुआ है। इसलिए यहां पैदा होने वाला कोई भी बड़ा संकट दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। ओमान खाड़ी क्षेत्र का अपेक्षाकृत शांत देश माना जाता है और लंबे समय से ईरान के साथ बातचीत तथा मध्यस्थता की नीति अपनाता रहा है। अमेरिका के साथ भी उसके रक्षा संबंध हैं और अमेरिकी सेना को ओमान में कुछ सुविधाओं के इस्तेमाल की अनुमति है। यही कारण है कि ओमान दोनों पक्षों के बीच एक ऐसे देश की भूमिका में आ गया है, जो ईरान से बात भी कर सकता है और अमेरिका से भी संबंध बनाए रख सकता है। ईरान के अनुसार, दोनों देश ऐसा तंत्र बनाने पर काम कर रहे हैं जिससे जहाजों की सुरक्षित आवाजाही हो सके और दोनों तटीय देशों की संप्रभुता तथा सुरक्षा का सम्मान भी बना रहे। क्षेत्रीय अधि ाकारियों के मुताबिक, प्रस्तावित व्यवस्था में जहाज ईरान के नियंत्रण वाले रास्ते से फारस की खाड़ी में प्रवेश कर सकते हैं और ओमान के नियंत्रण वाले रास्ते से बाहर निकल सकते हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक, प्रस्तावित व्यवस्था में जहाजों से स्वैच्छिक शुल्क लेने की बात भी सामने आई है। बताया गया है कि ये शुल्क सुरक्षा और समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा जैसी जरूरतों से जुड़े हो सकते हैं। अमेरिका इसी तरह की व्यवस्था से नाराज बताया जा रहा है। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि ओमान को ईरान के साथ बातचीत में ज्यादा सख्त रुख अपनाना चाहिए था। अमेरिकी पक्ष का मानना है कि ओमान ईरान के साथ बातचीत में पर्याप्त सख्ती नहीं दिखा रहा है। इसी नाराजगी के बीच ट्रंप की धमकी सामने आई है। हां। ट्रंप की यह पहली ऐसी धमकी नहीं बताई गई है। मई में कैबिनेट बैठक के दौरान भी उन्होंने कहा था कि ओमान को दूसरे देशों की तरह व्यवहार करना होगा, वरना अमेरिका को उसके खिलाफ कड़ा कदम उठाना पड़ेगा। अब होर्मुज को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत आगे बढ़ने के बाद ट्रंप ने फिर ओमान को निशाना बनाया है। इससे साफ है कि अमेरिका इस मुद्दे पर बेहद सख्त रुख अपना रहा है। ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक नक्शा साझा किया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया। इससे पहले भी उन्होंने इस विचार का संकेत दिया था। सोमवार को ओवल ऑफिस में उन्होंने कहा था कि उन्हें जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने का विचार पसंद है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ऐसा कैसे किया जाएगा या इसके लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। ईरान ने ट्रंप की टिप्पणी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने ट्रंप की ओर से होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र के रूप में दिखाने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ट्रंप का जलडमरूमध्य को लेकर भ्रम जल्द दूर होगा या ईरान खुद उसे दूर करेगा। ईरान का रुख साफ है कि वह होर्मुज पर अपनी पकड़ तब तक बनाए रखेगा, जब तक अमेरिका उसकी शर्तें पूरी नहीं करता।

चार्ली किर्क हत्याकांडः गोली पर खुदा संदेश बना अभियोजन का सबूत, टायलर रॉबिन्सन को मिलेगी मृत्युदंड की सजा?

साल्ट लेक सिटी, एजेंसी। चार्ली किर्क की हत्या के बहुचर्चित मामले में कानूनी प्रक्रिया और तेज हो गई है। इस मामले में सरकारी पक्ष ने न्यायालय में नए और अत्यंत महत्वपूर्ण कागजात जमा किए हैं। इस पूरे मामले में 23 वर्षीय टायलर रॉबिन्सन मुख्य आरोपी है, जिसे घटना के तुरंत बाद पुलिस ने हिरासत में लिया था। जांच में सामने आए नए तथ्यों और पेश किए गए सबूतों के बाद अब पूरी दुनिया और कानूनी विशेषज्ञों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आरोपी को मृत्युदंड यानी मौत की सजा दी जाएगी या नहीं। गोली पर खुदा मिला राजनीतिक संदेश

जांच एजेंसियों को आरोपी के पास से बरामद संदिग्ध हथियार और कारतूसों की जांच के दौरान एक बेहद चौंकाने वाला सबूत मिला है। जांचकर्ताओं के अनुसार, एक गोली पर स्पष्ट रूप से हाथ से उकेरा गया संदेश मिला। गोली पर लिखा था, श्अरे फासीवादी! इसे पकड़ो! सरकारी पक्ष का दावा है कि यह संदेश कोई साध ाारण आपराधिक सोच का नतीजा नहीं है, बल्कि यह एक खुला राजनीतिक संदर्भ है। अभियोजन पक्ष का कहना है कि यह संदेश साबित करता है कि चार्ली किर्क को किसी व्यक्तिगत रंजिश के कारण नहीं, बल्कि केवल उनकी राजनीतिक विचारधारा और रूढ़िवादी सोच के कारण निशाना बनाया गया था। मौत की सजा की मांग के दो मुख्य आधार

सरकारी पक्ष न्यायालय में आरोपी टायलर रॉबिन्सन के लिए सख्त से सख्त सजा यानी मृत्युदंड की मांग कर रहा है। अमेरिकी कानून और स्थानीय कानूनी नियमों के तहत किसी भी साधारण हत्या के मामले में मृत्युदंड की मांग करने के लिए कुछ गंभीर कारणों को साबित करना अनिवार्य होता है। अभियोजन पक्ष ने इसके लिए दो मुख्य कारण पेश किए हैं। राजनीतिक और वैचारिक मंशारू किर्क की हत्या पूरी तरह से राजनीतिक दुश्मनी और वैचारिक नफरत के तहत योजना बनाकर की गई थी। सार्वजनिक सुरक्षा को बड़ा खतरारू 10 सितंबर को विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में आम लोग और छात्र मौजूद थे। उस भीड़भाड़ वाले स्थान पर गोलीबारी करके आरोपी ने केवल एक व्यक्ति की जान नहीं ली, बल्कि वहां मौजूद हजारों बेकसूर लोगों की जान को भी बहुत बड़े खतरे में डाला। अन्य महत्वपूर्ण सबूत और व्यक्तिगत कारण सरकारी पक्ष ने न्यायालय के समक्ष आरोपी के खिलाफ कई अन्य डिजिटल और भौतिक सबूत भी रखे हैं। हाथ से लिखा हुआ पत्ररू पुलिस को एक हस्तलिखित पत्र मिला है, जो रॉबिन्सन ने अपने साथी (रूममेट) लांस ट्विग्स के लिए छोड़ा था। इस पत्र में उसने साफ तौर पर स्वीकार किया था कि उसे किर्क को समाप्त करने का अवसर मिला और उसने उन्हें समाप्त कर दिया। डीएनए रिपोटरू जुलाई के महीने में हुई प्रारंभिक सुनवाई के दौरान पेश की गई डीएनए रिपोर्ट में आरोपी की मौजूदगी और संबंध ा को संदिग्ध हथियार तथा गोली पर संदेश उकेरने वाले औजारों से जोड़ा गया है। सामाजिक और व्यक्तिगत वैचारिक मतभेदरू चार्ली किर्क समलैंगिक विवाह और लिंग–पुष्टि से जुड़ी चिकित्सा के खिलाफ अपनी राय रखते थे। दूसरी ओर, जांच में सामने आया कि आरोपी का साथी लिंग परिवर्तन से जुड़े विषयों पर विचार कर रहा था। अभियोजन का मानना है कि इस वैचारिक मतभेद ने भी आरोपी के मन में नफरत को बढ़ाया। दूसरी तरफ, आरोपी टायलर रॉबिन्सन के वकीलों ने अभियोजन पक्ष के सभी दावों को खारिज करने की पूरी कोशिश की है। वकीलों का कहना है कि गोली पर लिखे कुछ शब्द या कथित पत्र किसी व्यक्ति को राजनीतिक हत्या का आरोपी बनाने और मृत्युदंड देने के लिए कानूनी रूप से पर्याप्त सबूत नहीं हैं। बचाव पक्ष ने न्यायालय में डीएनए जांच की प्रक्रिया और विशेषज्ञों के निष्कर्षों की निष्पक्षता तथा सच्चाई पर सवाल उठाए हैं। जनसुरक्षा के खतरे का विरोधरू वकीलों का तर्क है कि हमलावर का लक्ष्य केवल एक विशिष्ट व्यक्ति था। उसने किसी आम जनता पर हमला नहीं किया, इसलिए अन्य लोगों की जान खतरे में डालने के आधार पर सजा को बढ़ाना कानूनन सही नहीं है। साथी का बयानरू आरोपी के साथी लांस ट्विग्स ने भी अपने बयान में कहा कि घटना से पहले उसने रॉबिन्सन को कभी भी चार्ली किर्क या सामाजिक मुद्दों पर बहुत अधिक नफरत भरी बातें करते हुए नहीं सुना था। एक सितंबर की सुनवाई पर टिकीं नजरें 23 वर्षीय आरोपी टायलर रॉबिन्सन ने घटना के अगले ही दिन खुद को पुलिस के हवाले कर दिया था। इसके बाद से ही इस मामले में कई दौर की कानूनी बहसों का सिलसिला जारी है। अब एक सितंबर को इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण सुनवाई होने जा रही है। न्यायाधीश टोनी ग्राफ दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें, लिखित दस्तावेज और पेश किए गए सभी सबूतों की फिर से गहन जांच करेंगे।

समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी, क्या स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन?

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झूके–3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया। चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की? एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारते समय चीन ने पहली बार खुलने वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया। समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट? 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च–10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप का दावाः 2020 चुनाव में 24 हजार गैर–नागरिकों ने डाला वोट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर–नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर क्या कहा? ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है।

पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर–नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी।

भारत की चुनाव प्रणाली की ट्रंप ने तारीफ की इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई।

तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका–दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास, क्या है ट्रंप के फैसले की वजह?

सिओल, एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास श्उल्ची फ्रीडम शील्डश (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि ा करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी। यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग–अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं। अभ्यास के दूसरे चरण में क्या होना था? योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है। उसने यह भी बताया कि 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के आकार को कम किया गया था। उस समय उत्तर कोरिया के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत अपने सबसे अहम दौर में थी। इस बार अभ्यास में क्या खास था? इस बीच, सीएनएन ने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस साल के सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के हिसाब से तैयार किया गया था। इसमें ड्रोन, जीपीएस व्यवस्था में रुकावट और साइबर हमलों से निपटने का प्रशिक्षण भी शामिल किया जाना था। इस सैन्य अभ्यास में कम से कम 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिकों के शामिल होने की उम्मीद थी। हालांकि, इन बदलावों के बावजूद उत्तर कोरिया ने बुधवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास की निंदा जारी रखी। योनहाप ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने सैन्य अभ्यास कम किए जाने के बाद भी इसका विरोध किया। दक्षिण कोरिया ने क्या कहा?

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने भी इससे पहले कहा था कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति के हैं। उन्होंने कहा था कि इन अभ्यासों का उत्तर कोरिया पर हमला करने या कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सालाना सैन्य अभ्यास को कम करने के फैसले के बाद आया था। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की भी अपील की।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।